दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 357

ग्वालियर, शुक्रवार 16 सितम्बर 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री गड़करी ने दी ग्वालियर को बड़ी-बड़ी सौगातें

926 करोड़ों की परियोजना के तहत चंबल से लायेंगे ग्वालियर के लिये पानीः मुख्यमंत्री

ग्वालियर। ग्वालियर प्रवास पर आए केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी ने मध्यप्रदेश के लिये सौगातों की झड़ी लगा दी। उन्होंने घोषणा की कि ग्वालियर में स्वर्ण रेखा नदी पर एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण के साथ ही दूसरे चरण के टेण्डर की प्रक्रिया भी शुरू हो जायेगी। श्री गड़करी ने इस आशय की घोषणा एलीवेटेड रोड़ के प्रथम चरण के शिलान्यास समारोह में की। स्वर्ण रेखा पर एलीवेटेड रोड़ निर्माण से ग्वालियर के विकास का नया अध्याय शुरू होगा। श्री गड़करी ने ग्वालियर से इटावा तक फोरलेन सड़क निर्माण की घोषणा भी की।

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी ग्वालियर शहर में विकास के नए आयाम के रूप में जुड़ने जा रहे एलीवेटेड रोड़, अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल और 122 किलोमीटर लम्बी 7 सड़कों सहित लगभग 1199 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों के शिलान्यास व लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह की अध्यक्षता कर रहे मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्वालियर विकास की नई उड़ाने भर रहा है, इसे और गति दी जायेगी। उन्होंने घोषणा की कि लगभग 926 करोड़ रूपए की लागत की परियोजना के तहत चंबल व कोतवाल डैम से ग्वालियर के लिये पानी लायेंगे, जिससे शहर के सभी 66 वार्डों में दीर्घकाल तक पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर तथा केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया बतौर विशिष्ट अतिथि मौजूद थे। गुरूवार को यहाँ गोला का मंदिर मुरैना लिंक रोड़ पर ट्रिपल आईटीएम के सामने स्थित केन्द्रीय दिव्यांगजन खेल परिसर में आयोजित हुए इस समारोह में केन्द्रीय मंत्री श्री गड़करी एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान सहित अन्य अतिथियों ने इस अवसर पर एक जिला-एक उत्पाद तथा अन्य प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। साथ ही दिव्यांग हितग्राहियों को बैटरी चलित मोटराईज्ड ट्राइसिकल प्रदान की और सरकार की स्वरोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं के तहत 11 हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप सहायता वितरित की। सहायता पाकर हितग्राही गदगद थे और उन्होंने अपने शब्दों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर अतिथियों ने रिमोट का बटन दबाकर विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास और ग्वालियर व चंबल संभाग की तहसीलों को ई-ऑफिस में तब्दील किया।

समारोह में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, राजस्व व परिवहन मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत, पंचायत एवं ग्रामीण मंत्री श्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री

स्वर्ण रेखा पर प्रथम चरण के साथ ही होगा एलीवेटेड रोड़ के द्वितीय चरण का कार्य
1199 करोड़ रूपए लागत के विकास कार्यों का हुआ लोकार्पण एवं शिलान्यास

(स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह, सांसद ग्वालियर श्री विवेक नारायण शेजवलकर, सांसद भिण्ड श्रीमती संध्या राय, महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, बीज एवं फार्म विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, नगर निगम सभापति श्री मनोज सिंह तोमर, पूर्व विधायक श्री मदन कुशवाह तथा श्री कमल माखीजानी व श्री कौशल शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मंचासीन थे।

ग्वालियर में भी होगा लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण - श्री गड़करी

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी ने समारोह में घोषणा की कि ग्वालियर शहर में स्वर्ण रेखा पर दोनों चरणों का एलीवेटेड रोड़ अत्याधुनिक मलेशिया से आई नई तकनीक के साथ बनाया जायेगा। एलीवेटेड रोड़ के दोनों चरण के टेण्डर एक साथ निकाले जायेंगे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 6 लेन के आगरा - ग्वालियर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, यमुना एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा और मात्र तीन घंटे में दिल्ली से ग्वालियर की दूरी तय की जा सकेगी। लगभग 87 किलोमीटर लम्बे इस एक्सप्रेस-वे का निर्माण लगभग 2500 करोड़ रूपए की लागत से होगा। उन्होंने घोषणा की कि आगरा-ग्वालियर एक्सप्रेस-वे के किनारे लॉजिस्टिक पार्क की स्थापना भी की जायेगी। श्री गड़करी ने यह भी घोषणा की कि ग्वालियर-आगरा के पुराने मार्ग का जीर्णोद्धार कर फोरलेन सीमेंट कंक्रीट मार्ग बनाया जायेगा, इसके आदेश जारी कर दिए गए हैं।

1200 करोड़ रूपए की लागत से ग्वालियर-भिण्ड मार्ग होगा फोरलेन

केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी ने कार्यक्रम में यह भी घोषणा की कि ग्वालियर - भिण्ड - इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग को 1200 करोड़ रूपए की लागत से फोरलेन मार्ग में तब्दील किया जायेगा। इसकी डीपीआर तैयार की जा रही है। इसी तरह मुरैना से सबलगढ़ तक 300 करोड़ रूपए की लागत से 72 किलोमीटर लम्बा फोरलेन सड़क मार्ग बनाया जायेगा। केन्द्रीय मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने इन दोनों सड़क मार्गों के निर्माण की मांग रखी थी। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर की मांग को पूरा करते हुए उन्होंने मुरैना शहर में बैरियर चौराहे से रेलवे स्टेशन तक फ्लाईओवर बनाने की घोषणा भी की।

अटल एक्सप्रेस-वे अन्य एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा

साथ ही कहा कि अटल एक्सप्रेस-वे के निर्माण से ग्वालियर-चंबल अंचल के विकास में क्रांतिकारी साबित होगा। लगभग 20 हजार करोड़ रूपए की लागत से कोटा से इटावा तक 415 किलोमीटर लम्बाई में बनने जा रहे इस एक्सप्रेस-वे का अगले तीन माह के भीतर भूमिपूजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे बुन्देलखंड व यमुना एक्सप्रेस-वे तथा दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे से जुड़ेगा। जाहिर है ग्वालियर चंबल अंचल के विकास को नए पंख मिलेंगे। श्री गड़करी ने अटल एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर लॉजिस्टिक पार्क, उद्योग, एज्यूकेशन हब बनाने का सुझाव मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को दिया।

फूलबाग से किले तक 120 करोड़ रूपए की लागत से होगा रोप-वे का निर्माण

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी ने कार्यक्रम में घोषणा की कि ग्वालियर शहर में फूलबाग से किले तक 120 करोड़ रूपए की लागत से रोप-वे का निर्माण कराया जायेगा। इससे ग्वालियर के पर्यटन विकास में नए आयाम स्थापित होंगे।

जलालपुर में बनेगा रेलवे ओवरब्रिज

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी ने ग्वालियर में जलालपुर - बरौआ के बीच नए रेलवे ओवरब्रिज बनाने की घोषणा भी इस अवसर पर की। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और प्रदेश के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने इस ओर केन्द्रीय मंत्री श्री गड़करी का ध्यान आकर्षित किया था। इस आरओबी के निर्माण से जलालपुर व बरौआ सहित लगभग दो दर्जन गांवों को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही शनिश्चरा मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को भी आवागमन में आसानी रहेगी।

■ देखें पृष्ठ 8 भी

खास खबर

रूह अफजा को लेकर अमेजन इंडिया को क्यों पड़ी दिल्ली हाईकोर्ट से फटकार

नई दिल्ली। पाकिस्तान निर्मित रूह अफजा को अपनी लिस्टिंग से हटाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट ने अमेजन इंडिया से जवाब मांगा है। साथ ही दिल्ली हाईकोर्ट ने कंपनी से यह भी पूछा है कि आखिर यह ऐसा कैसे हुआ इसके अलावा हाईकोर्ट ने कहा कि रूह अफजा के क्वालिटी स्टैंडर्ड को फूड सेफ्टी एक्ट के नियमों का पालन करना होगा। ऐसे में अब कंपनी को 4 हफ्तों में अपनी रिपोर्ट देनी होगी। मामले में अगली सुनवाई अब 31 अक्टूबर को होगी। अमेजन इंडिया की वेबसाइट पर पाकिस्तान निर्मित रूह अफजा बेचा जा रहा था। इसको लेकर भारत में रूह अफजा बनाने वाली कंपनी हमदर्द नेशनल फाउंडेशन और हमदर्द लेबोरेटरीज इंडिया ने याचिका दायर की थी। कंपनी ने कहा था कि अलग-अलग ब्रांड अमेजन पर रूह अफजा को अवैध रूप से बेच रहे हैं, जो फूड सेफ्टी एक्ट के नियमों का उल्लंघन है।

महंगाई पर मोदी सरकार की चुप्पी तोड़ने कांग्रेस ने निकाली भारत जोड़ो यात्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति के अगस्त में लगातार तीसरे महीने घटने और 11 महीने के निचले स्तर पर जाने को लेकर गुरुवार को केंद्र पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई पर नरेंद्र मोदी सरकार की चुप्पी तोड़ने के लिए भारत जोड़ो यात्रा निकाली गई है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, मोदी सरकार कमर तोड़ महंगाई पर चुप क्यों है इनकी इसी चुप्पी को तुड़वाने के लिए भारत जोड़ो यात्रा शुरू की गई है। विनिर्मित उत्पादों और ईंधन की कीमतों में नरमी से थोक कीमतों पर आधारित मुद्रास्फीति अगस्त में लगातार तीसरे महीने घटकर 11 महीने के निचले स्तर 12.41 प्रतिशत पर आ गई। खाद्य वस्तुओं के दामों में तेजी के बावजूद मुद्रास्फीति घटी है।

भारतीय बाजार में एक थोक खरीददार जो विधायकों को खरीद रहा : चिदंबरम

नई दिल्ली। गोवा में कांग्रेस के आठ विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में जाने को लेकर भाजपा पर निशाना साधकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि 2014 के बाद से, भारतीय बाजार में एक थोक खरीदार है, और एक दिन, वह खरीदार लगभग सभी विधायकों को खरीद लेगा और देश के मतदाताओं का मजाक उड़ाएगा। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने गोवा में कांग्रेस के उन तीन विधायकों की भी सराहना की जो अपने आठ सहयोगियों के साथ भाजपा में शामिल नहीं हुए।

गुजरात के जीवनदायिनी सरदार सरोवर का जलस्तर 138.68 मीटर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचा

- बांध में 4.73 मिलियन एकड़ फुट यानी 5.76 लाख करोड़ लीटर पानी का भंडार
- मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने एकता नगर जाकर मां नर्मदा की पूजा कर किया नर्मदा नीर का स्वागत

नर्मदा। गुजरात की जीवन रेखा नर्मदा योजना के सरदार सरोवर बांध का जलस्तर अपने उच्चतम स्तर यानी 138.68 मीटर पर पहुंच गया है। इसके परिणामस्वरूप जलाशय में 4.73 मिलियन एकड़ फुट अर्थात 5.76 लाख करोड़ लीटर पानी का भंडारण हुआ है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार सुबह एकता नगर पहुंचकर सरदार सरोवर बांध का जलस्तर 138.68 मीटर की ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने की गौरवपूर्ण घटना में शामिल हुए और मां नर्मदा के नीर का स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि सरदार सरोवर नर्मदा बांध 2019 और 2020 के बाद इस वर्ष तीसरी बार अपनी पूर्ण भराव क्षमता को पार करते हुए छलक गया है। एकता नगर में 'नमामि देवी नर्मदे' के मंत्रोच्चार के साथ आयोजित नर्मदा महोत्सव में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मां नर्मदा के जल का श्रीफल और चुनरी से स्वागत किया। इस वर्ष हुई व्यापक वर्षा के चलते नर्मदा बेसिन और बांध में पानी की भरपूर आवक हुई है। पानी की इस आवक के चलते राज्य के गांवों, नगरों और शहरों में आगामी गर्मी के मौसम तक पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा सकेगा और राज्य को पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। इतना ही नहीं, अब नर्मदा कमांड क्षेत्र के सभी गांवों के किसानों को रबी फसलों की सिंचाई के लिए नर्मदा का पर्याप्त पानी मिलेगा। इसके अलावा, नर्मदा बांध में पानी की बंपर उपलब्धता के कारण सौराष्ट्र क्षेत्र में सौराष्ट्र नर्मदा अवतरण सिंचाई योजना (सौनी योजना) तथा उत्तर गुजरात में सुजलाम सुफलाम सहित अन्य उद्वहन योजनाओं के लिए फिलहाल नर्मदा का पानी दिया जा रहा है।

अमित शाह ने देश के विकास में इंजीनियरों की भूमिका के लिए उन्हें किया सलाम

नई दिल्ली। हर साल देश में 15 सितंबर को इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सभी मेहनती इंजीनियरों को इंजीनियर दिवस की बधाई दी। गृहमंत्री ने देश के विकास में उनके नवाचारों और सर्वोपरि भूमिका के लिए इंजीनियरों को सलाम किया। इंजीनियर दिवस% देश के महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को समर्पित है। विश्वेश्वरैया को देश में सर एमवी के नाम से भी जाना जाता था। भारत रत्न से सम्मानित एम विश्वेश्वरैया का जन्म 15 सितंबर 1861 को मैसूर के कोलार जिले स्थित क्वाबल्लापुर तालुक में एक तेलुगू परिवार में हुआ था। अमित शाह ने ट्वीट किया, इंजीनियर दिवस के अवसर पर हमारे सभी मेहनती इंजीनियरों को मेरी ओर से बधाई।

हमारे देश के विकास में उनके नवाचारों और सर्वोपरि भूमिका के लिए उन्हें सलाम करता हूं। मैं अब तक के सबसे उत्कृष्ट इंजीनियर, भारत रत्न सर एम विश्वेश्वरैया जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देता हूं। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस अवसर पर इंजीनियरों को बधाई दी। पीएम मोदी ने सर एम विश्वेश्वरैया के अभूतपूर्व योगदान को याद करते हुए कहा कि भारत को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने वाले कुशल और प्रतिभाशाली इंजीनियरों का एक पूल है। बता दें कि महान इंजीनियर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की उपलब्धियों को पहचानने और उनका सम्मान करने के लिए भारत हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय अभियंता दिवस मनाया जाता है। 15 सितंबर को भारत के साथ-साथ श्रीलंका और तंजानिया में भी विश्वेश्वरैया के महान कार्यों को इंजीनियर दिवस के रूप में मनाया जाता है। गौरतलब है कि 15 सितंबर, 1861 को कर्नाटक के मुद्दनहल्ली गांव में जन्मे विश्वेश्वरैया ने अपनी स्कूली शिक्षा अपने गृहनगर में पूरी की और बाद में मद्रास विश्वविद्यालय में कला स्नातक (बीए) की पढ़ाई करने चले गए। इसके बाद उन्होंने एक अलग फील्ड में करियर बनाने को लेकर पुणे में कॉलेज ऑफ साइंस में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा किया था।

हिजाब मामला: कर्नाटक सरकार के पास स्कूल यूनिफॉर्म अनिवार्य करने का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक हिजाब मामले में शीर्ष कोर्ट के जस्टिस हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की बेंच ने शिक्षण संस्थानों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। हिजाब प्रतिबंध को चुनौती देने वाले एक याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि राज्य में हिजाब पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि कर्नाटक सरकार के पास शैक्षणिक संस्थानों में यूनिफॉर्म अनिवार्य करने की शक्ति थी। एससी ने कहा कि आप तर्क दे सकते हैं कि उनका परिप्रेक्ष किसी भी वैधानिक प्रावधान का उल्लंघन हो सकता है, लेकिन यह कहना कि उनके पास

शक्ति नहीं है, सही नहीं है। न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, भले ही राज्य के फरवरी 2022 के सर्कुलर, जिसने सरकार के शैक्षणिक संस्थानों में यूनिफॉर्म अनिवार्य कर दिया हो। अगर सर्कुलर में गलत सेक्शन का भी जिक्र किया गया है, तो इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा। इस अदालत के एक फैसले के बाद एक वैधानिक आदेश और एक कार्यकारी आदेश के बीच का अंतर समाप्त कर दिया गया है। इससे पहले याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि अगर हिजाब पर बैन जारी रहा तो स्कूली छात्राएं वापस मदरसे में जाने के लिए मजबूर होंगी। कर्नाटक के स्कूलों में हिजाब पर बैन के बाद अभी तक 17 हजार छात्राएं स्कूल छोड़ चुकी है। वो परीक्षा में शामिल नहीं हुई। वकील हुजेफा अहमदी की इस दलील पर जस्टिस सुधांशु धुलिया ने पूछा- क्या आप ये कहना चाहते है कि लड़कियां हिजाब नहीं पहनना चाहती, उन्हें इसके लिए मजबूर किया जाता है

जम्मू-कश्मीर में एक और दर्दनाक हादसा अब राजौरी में बस खाई में गिरी

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के राजौरी में उस वक्त दर्दनाक हादसा हुआ, जब एक बस अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। जिले के भीमबेर गली के पास आज सुबह कई यात्रियों को लेकर जा रही एक बस के गहरी खाई में गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई। इस बात की जानकारी मंजाकोट तहसीलदार जावेद चौधरी ने दी। इस हादसे के बाद चारों तरफ हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि इस हादसे में बस में सवार कम से कम 25 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, पुलिस शवों को कब्जे में लेकर उनकी शिनाख्त करने में जुटी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। बस हादसे की कुछ तस्वीरें जारी की हैं, जिसमें देखा जा सकता है कि यह हादसा कितना भयावह है। इस हासले पर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने दुख जताया है। एलजी के कार्यालय की ओर से जारी बयान में मनोज सिन्हा ने कहा कि राजौरी में हुए दर्दनाक हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर घायलों को जल्द से जल्द ठीक करें। जिला प्रशासन हर

संभव सहायता प्रदान कर रहा है। बता दें कि इससे पहले बुधवार को भी जम्मू-कश्मीर में एक ऐसा ही हादसा हुआ था। पुंछ जिले में बुधवार को एक मिनी बस के गहरी खाई में गिर जाने से उसमें सवार 11 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 29 अन्य घायल हो गए थे। मरने वालों में चार महिलाएं शामिल थीं। यह हादसा इतना बड़ा था कि सेना को बचाव अभियान चलाना पड़ा। अधिकारियों के मुताबिक, बस गली मैदान से पुंछ की तरफ जा रही थी और सुबह 8130 बजे सावजियान के सीमावर्ती इलाके में बरारी नाले के पास यह हादसे की शिकार हो गई। अधिकारियों ने बताया कि नौ यात्री घटनास्थल पर ही मृत पाए गए थे, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि हादसे में 29 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से नौ की हालत गंभीर है और उनमें से छह को विशेष इलाज के लिए जम्मू के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ले जाया गया है। पुंछ बस हादसे में मारे गए 11 लोगों में से 10 की पहचान बशीर अहमद लोन (40), नाजिमा अख्तर (20), शायदा अख्तर (32), रजिया अख्तर (18), जरीना बेगम (40), महरूफ अहमद (14), मोहम्मद हुसैन (65), इमरान अहमद (6), अब्दुल करीन (70) और अब्दुल कयूम (40) के रूप में हुई थी।

न्यूज़ ट्रैक....

17वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 का आयोजन

भोपाल। मध्य प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वधान में भोपाल स्थित टीटी नगर स्टेडियम में एथलेटिक्स फेडरेशन आफ इंडिया के द्वारा दिनांक 17 से 19 सितंबर तक 17वीं राष्ट्रीय यूथ एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश एथलेटिक एसोसिएशन के सचिव ए मुरलीधरन ने बताया कि स्पर्धा में देश भर से 21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से लगभग साढे 750 प्रतिभागियों व अधिकारियों के भाग लेने की पुष्टि प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर 1 से 4 मार्च तक कुवैत में आयोजित होने वाले चौथे एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की भारतीय दल का चयन किया जाएगा। अतः इस प्रतियोगिता में देश के जूनियर वर्ग के सर्वश्रेष्ठ एथलीट भाग लेकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

ऋतु ने टिफनी की चुनौती स्वीकार की

नई दिल्ली। भारतीय महिला एमएमए फाइटर ऋतु फोगाट ने कहा है कि 29 सितंबर से एमएमए वन चैंपियनशिप में वह सिंगापुर की टिफनी टियो से मुकाबले के लिए तैयार हैं। ऋतु ने कहा कि उन्हें टिफनी की चुनौती तैयार है। वह इसी मुकाबले के लिए ही नहीं एमएमए में आगे भी मुकाबलों के लिए तैयार हैं। ऋतु ने कहा, मैं जल्दी ही बेल्ट लाकर दूंगी। भारत को जल्दी ही पहली महिला एमएमए विश्व चैंपियन मिलेगी।' ऋतु करीब 9 माह बाद रिंग में वापसी कर रही हैं। उन्होंने चोट से वापसी के लिए कड़ी मेहनत भी की है। टिफनी से एटमवेट मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स कैटेगरी में होने वाले मुकाबले के लिए ऋतु नए कोच एडम शार्यन की निगरानी में सिंगापुर में प्रशिक्षण ले रही हैं। दोनो के बीच यह मुकाबला सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में होगा। ऋतु ने कहा कि वह वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस खिलाड़ी ने कहा कि वह ना सिर्फ इस मुकाबले में जीत के लिए आशान्वित हैं। बल्कि देशवासियों को यह भरोसा भी दिलाना चाहती हैं कि भारत को जल्दी ही पहली महिला एमएमए विश्व चैंपियन मिलेगी। ऋतु एमएमए फाइटर बनने से पहले पहलवान रही हैं। ऋतु ने राष्ट्रमण्डल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था।

स्टार्क, स्टोइनिस और मार्श के बिना भारत दौरे पर पहुंचेगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

मेलबर्न। भारत दौरे से पहले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम को करारा झटका लगा है। उसके तीन खिलाड़ी फिट नहीं होने के कारण इस दौरे से बाहर हो गये हैं। इससे अगले माह होने वाले विश्व कप के लिए भी टीम की तैयारियों को झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क, ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस और मिचेल मार्श ने भारत दौरे से अपना नाम वापस ले लिया है। इन तीनो की जगह नाथन एलिस, डेनियल सैम्स और सीन एबॉट को शामिल किया गया है।

विराट ने आईसीसी रैंकिंग में लगायी लंबी छलांग

सूर्यकुमार और भुवनेश्वर शीर्ष दस में एकमात्र भारतीय

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। आईसीसी की बुधवार को जारी रैंकिंग में विराट को एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है और वह 14 पायदान ऊपर आकर 15वें स्थान पर पहुंच गये हैं। इस प्रकार विराट ने 14 खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा है। उन्होंने हाल में समाप्त हुए टी20 एशिया कप में एक शतक और 2 अर्धशतक लगाये थे। वहीं शीर्ष दस की बात करें तो बल्लेबाजी में सूर्यकुमार यादव और गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार ही दो भारतीय खिलाड़ी हैं। बल्लेबाजी में सूर्या चौथे नंबर पर बने हुए हैं जबकि गेंदबाजी में भुवनेश्वर चार स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गये हैं। भुवनेश्वर ने एशिया कप में सबसे अधिक 11 विकेट लिए थे। गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के जोस हेजलवुड शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं एशिया कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे श्रीलंका के वानिंदु हसारंगा को भी दोहरी सफलता मिली है। वह गेंदबाजी और ऑलराउंडर दोनो की ही रैंकिंग में ऊपर आए हैं। हसारंगा ने एशिया कप मुकाबले में 3 विकेट विकेट लेने के साथ ही 36 रन भी बनाए थे। हसारंगा गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान के लाभ के साथ ही छठे स्थान पर आ गए हैं। वहीं ऑलराउंडर्स की सूची में सात स्थान ऊपर आकर चौथे स्थान पर कायम हैं। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग में पाकिस्तान टीम के कप्तान बाबर आजम को नुकसान हुआ है। आजम एशिया कप में रन नहीं बना पाये थे। इससे वह नंबर एक से फिसलकर तीसरे नंबर पर आ गये हैं। पाक के ही मोहम्मद रिजवान पहले की तरह नंबर-1 पर बने हुए हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

सूर्यकुमार को 32वें जन्मदिन पर विराट सहित साथ खिलाड़ियों ने बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने बुधवार को अपना 32वां जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर सूर्या को प्रशंसकों के साथ ही टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने भी बधाई दी है। विराट ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टेटस पर यादव के साथ अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए उन्हें जन्मदिन की बधाई है। कोहली ने सूर्या के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा है, 'हैप्पी बर्थडे रुकाई।' हाल ही में संपन्न हुए एशिया कप में विराट और सूर्यकुमार यादव के बीच अच्छा तालमेल दिखा था। इससे पहले दोनों खिलाड़ियों के बीच आईपीएल में तनातनी दिखी थी। इसके कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। हालांकि बाद में सूर्या ने कहा था कि वह क्षणिक प्रतिक्रिया थी। इस दौरान वह अंदर से डरे हुए थे। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह टकराव आईपीएल सात 2020 में देखा गया था। इस सीजन के बाद सूर्या ने भारतीय टीम में जगह बना ली थी। इसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दोस्ती भी खूब रही। इन दोनों की यह दोस्ती एशिया कप में और बढ़ गयी। हांगकांग के खिलाफ सूर्यकुमार की केवल 26 गेंदों में 68 रनों की आक्रामक पारी की विराट ने जमकर सराहना की थी।

बीसीसीआई अध्यक्ष बने रहेंगे गांगुली

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली और बोर्ड सचिव जय शाह के कार्यकाल बढ़ाने के मामले में संविधान संसोधन की अपनी मंजूरी दे दी है। ऐसे में अब बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह अपने-अपने पदों पर बने रहेंगे। इससे पहले बीसीसीआई ने गांगुली और शाह का कार्यकाल बढ़ाने की याचिका दायर कर संविधान में संशोधन की इजाजत मांगी थी। जिससे कि प्रशासकों के लिए तय तीन साल के कूलिंग ऑफ पीरियड के प्रावधान को समाप्त किया जा सके। इसपर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम कूलिंग पीरियड को लेकर एक नई व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव दे रहे हैं। ऐस में कोई भी सदस्य लगातार दो बार स्टेट काउंसिल या बीसीसीआई में रह सकता है पर उसके बाद कूलिंग पीरियड का पालन करना होगा। कोर्ट ने ये भी कहा कि उसे इस बात से कोई ऐतराज नहीं है कोई सदस्य तीन साल के लिए लगातार दो बार चुना जाए। गौरतलब है कि गांगुली साल 2019 से बीसीसीआई के अध्यक्ष हैं। इसी साल उनका कार्यकाल खत्म हो रहा है।

बेलग्रेड में महिलाओं के 50 किलो वर्ग में जापान की सुसाकी यूकी और नाइजीरिया की मिसेनी मर्सी मुकाबला करती हुईं।

ऑस्ट्रेलिया ने टी20 विश्व कप के लिए लांच की नई स्वदेशी जर्सी

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले माह अक्टूबर-नवंबर में अपनी मेजबानी में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए टीम की जर्सी लांच कर दी है। विश्वकप 16 अक्टूबर से 13 नवंबर के बीच खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस साल के विश्व कप में स्वदेशी-थीम वाली किट पहनेगी। यह पहली बार होगा, जब ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम किसी ग्लोबल इवेंट में फर्स्ट नेशंस का प्रतिनिधित्व करने वाली जर्सी पहनेगी।

मेजबान टीम विश्व कप में पहली बार स्वदेशी प्रेरित जर्सी पहनेगी। ऐसे में उसका लक्ष्य अपने टी20 खिताब को बरकरार रखना होगा। पिछले साल आईसीसी टी20 विश्वकप 2021 ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराया था। ऑस्ट्रेलियाई टीम की इस नई जर्सी में प्लेइंग टॉप के टंक पर ब्लैक स्लीव्स के साथ-साथ ग्रीन और गोल्ड ढलान है। वही शर्ट के चारों ओर कलाकृति बनी हुई है। लंबी आस्तीन वाली जर्सी में आस्तीन पर विस्तारित गोल्डन और हरे रंग की कलाकृति दिखाई देगी। इस किट की पैंट काली होगी और एक टोपी में आदिवासी और टोरेस स्ट्रेट आइलैंडर दोनों झंडे के रंग होंगे।

इस किट को आंटी फियोना क्लार्क और कोटनी हेगेनो द्वारा डिजाइन किया गया है। इस जोड़ी ने पहले ऑस्ट्रेलिया द्वारा पहने गए अन्य स्वदेशी डिजाइनों पर एक साथ काम किया था। पिछले डिजाइनों की तरह इस बार भी वॉकबाउट विकेट्स कलाकृति प्रमुख रूप बन गई है। यह शर्ट के सामने की तरफ बीच में है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम इस प्रकार है- डेविड वॉर्नर, एरॉन फिंच (कप्तान), मैथ्यू वेड, टिम डेविड, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, केन रिचर्ड्सन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा, एश्टन एगर, पैट कमिंस (उप कप्तान)।

टी20 विश्व कप कार्यक्रम

22 अक्टूबर: बनाम न्यूजीलैंड, एससीजी, **25 अक्टूबर:** वी 1 ए, ऑप्टस स्टेडियम, **28 अक्टूबर:** बनाम इंग्लैंड, एमसीजी, **31 अक्टूबर:** वी 2 बी, गाबा, **4 नवंबर:** बनाम अफगानिस्तान, एडिलेड ओवल।

व्यापार न्यूज

आरबीआई रेपो रेट में बढता हैं, तब आर्थिक वृद्धि को चोट पहुंचेगी

नई दिल्ली। अगस्त में खुदरा महंगाई के आंकड़े निराश करने वाले हैं। सीपीआई आधारित खुदरा मुद्रास्फीति एक बार फिर 7 फीसदी तक पहुंची है, जो जुलाई में गिरकर 6.7 फीसदी पर आ गई थी। अर्थशास्त्री पहले से ही अनुमान लगा रहे थे कि आरबीआई आगे भी रेपो रेट में वृद्धि कर सकता है। इन आंकड़ों ने इन आशंका को बल दिया है। आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में नीतिगत दरों में 50 बेसिस पॉइंट यानी 0.50 फीसदी का इजाफा किया जा सकता है। फिलहाल रेपो रेट 5.45 फीसदी के स्तर पर है। यह कोरोना पूर्व स्तर के बराबर की स्थिति है। अब अगर आरबीआई इसी राह पर चलता है,तब इस साल के अंत तक रेपो रेट 6 फीसदी तक पहुंचेगी। इसका नतीजा यह होगा कि बैंकों का आरबीआई से और आपका बैंकों से लोन लेना महंगा होगा। इससे आर्थिक वृद्धि को चोट पहुंचेगी। अर्थशास्त्री के अनुसार, रेपो रेट में वृद्धि का मतलब होगा कि लोन महंगा होगा। लोन महंगा होने से निवेश प्रभावित होगा जो अभी रिकवरी के बिलकुल शुरुआती दौर में है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि आरबीआई यह सुनिश्चित करे कि ब्याज दरों में वृद्धि के चलते व्यवसायों को लोन मिलना न बंद हो जाए। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत की जीडीपी के 7 फीसदी की दर से वृद्धि करने का अनुमान है। हालांकि, इसके लिए आरबीआई और सरकार को सस्टेनेबल ग्रोथ के लिए नियमित तौर पर कदम उठाना होगा। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि आर्थिक रिकवरी पर आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि आपूर्ति पक्ष को दुरस्त रखा जाए। अभी तक आपूर्ति श्रृंखला ठीक चल रही है लेकिन इसका ध्यान नहीं रखा जाता है, तब यह आर्थिक विकास की राह में रोड़ा बन सकती है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया गिरावट के साथ बंद हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 30 पैसे गिरकर 79.47 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। इससे पहले विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.58 पर खुला था। दिन के कारोबार में रुपया 79.38 और 79.60 के दायरे में रहने के बाद अंत में यह 30 पैसे की गिरावट के साथ 79.47 पर बंद हुआ। इससे पहले रुपया मंगलवार को 79.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। वहीं इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 फीसदी नीचे आकर 109.43 पर पहुंच गया जबकि वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.62 फीसदी बढ़कर 93.75 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

दिल्ली सरकार का जीएसटी संग्रह 21 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में दिल्ली सरकार के जीएसटी संग्रह में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और अगस्त में कुल संग्रह 4,349 करोड़ रुपए रहा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मई में जीएसटी संग्रह 4,113 करोड़ रुपए था, जो जून में बढ़कर 4,313 करोड़ रुपए और जुलाई में 4,327 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। अधिकारियों के मुताबिक, अगस्त में जीएसटी संग्रह बढ़कर 4,349 करोड़ रुपए हो गया, जो उच्च मुद्रास्फीति के बावजूद शहर में व्यापार और उपभोक्ता मांग में वृद्धि को दर्शाता है। पिछले साल अगस्त में जीएसटी संग्रह 3,605 करोड़ रुपए था, जो इस वर्ष अगस्त में 21 प्रतिशत बढ़कर 4,349 करोड़ रुपए हो गया। मई 2021 में जीएसटी संग्रह 2,771 करोड़ रुपए और जून 2021 में 2,656 करोड़ रुपए था। जुलाई 2021 में यह 3,815 करोड़ रुपए था।

देश का डेयरी बाजार वर्ष 2027 तक 30 लाख करोड़ होने का अनुमान: एनडीडीबी

नई दिल्ली। दूध उत्पादन की मात्रा और मूल्य दोनों ही स्तर पर वृद्धि होने के कारण देश के डेयरी बाजार वर्ष 2027 तक दोगुना से अधिक बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपए तक होने का अनुमान है। एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार असंवेदनशील नहीं है और यह अन्य देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करते समय आठ करोड़ डेयरी किसानों के हितों की रक्षा करेगी। शाह ने कहा कि भारतीय डेयरी बाजार का आकार वर्ष 2021 में 13 लाख करोड़ रुपए का था और इसके वर्ष 2027 तक 30 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष शाह 12-15 सितंबर के दौरान यहां इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होने वाले इंटरनेशनल डेयरी फेडरेशन वर्ल्ड डेयरी समिट (आईडीएफ डब्ल्यूडीएस) 2022 में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। ब्रिटेन सहित कई देशों के साथ प्रस्तावित एफटीए से डेयरी क्षेत्र पर होने वाले प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा कि लगभग आठ करोड़ किसान डेयरी क्षेत्र से आय सृजित करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार संवेदनहीन नहीं है और ऐसा कोई निर्णय नहीं लेगी जो भारतीय डेयरी किसानों के लिए नुकसानदायक हो।

अमेरिका में मुद्रास्फीति कम होने के आसार नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका में मुद्रास्फीति कम होने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे और इससे निपटने के लिए केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के आक्रामक कदम उठाने के अनुमान हैं। ऐसे में वित्तीय बाजार में निवेशकों की धारणा प्रभावित हो रही है और मंदी की आशंका बढ़ गई है। लंबे समय से मुद्रास्फीति का कारण रहे कुछ कारक मसलन गैस दाम, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान आदि में नरमी आई है लेकिन कुछ अन्य कारण मुद्रास्फीति की स्थिति को और भी चिंताजनक बना रहे हैं। अब दाम नहीं बढ़ रहे क्योंकि वे पहले ही आसमान छू चुके हैं। बल्कि मुद्रास्फीति अब अर्थव्यवस्था में और व्यापक पैठ बना चुकी है और इसके पीछे वजह है मजबूत रोजगार बाजार। वेतन बढ़ने से कंपनियों को दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं ताकि उच्च श्रम लागत की पूर्ति की जा सके, वहीं इससे उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ी है। मंगलवार को सरकार ने कहा था ?कि मुद्रास्फीति जुलाई से अगस्त के बीच 0.1 फीसदी और सालाना आधार पर 8.3 फीसदी बढ़ गई। हालांकि यह जून के चार दशक के उच्चतम स्तर 9.1 फीसदी से कम है। खाद्य और ऊर्जा जैसी अस्थिर श्रेणियों को छोड़ दें तो बुनियादी दाम भी अनुमान से कहीं अधिक तेजी से बढ़े हैं और ये जुलाई से अगस्त के बीच 0.6 फीसदी बढ़ गए। केंद्रीय बैंक बुनियादी दामों पर विशेष ध्यान देता है और हालिया आंकड़ों को देखते हुए कहा जा सकता है कि फेडरल रिजर्व और आक्रामक कदम उठा सकता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई। मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन विदेशी बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी और फार्मा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार गिरा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 224.11 अंक करीब 0.37 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 66.30 अंक तकरीबन 0.37 फीसदी टूटकर 18,003.75 अंक पर बंद हुआ। आज सुबह से ही बाजार की कमजोर शुरुआत हुई और सेंसेक्स 1,150 अंक तक नीचे चला गया था जबकि निफ्टी 17,771.15 अंक तक आ गया था। हालांकि बैंक शेयरों में तेजी से बाजार को शुरुआती गिरावट से उबरने में सहायता मिली पर आईटी, ऊर्जा और दवा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से मिलने वाले लाभ में कमी आ गयी। सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस सबसे ज्यादा 4.53 फीसदी गिरा। इसके अलावा टीसीएस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, एलएंडटी, विप्रो और रिलायंस प्रमुख रूप से नीचे आये हैं। वहीं दूसरी ओर इंडसइंड बैंक, पावरग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, कोटक बैंक और एचडीएफसी बैंक तथा एचडीएफसी लि. लाभ में रहे। वहीं एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कंपोजिट गिरे हैं। यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरुआती कारोबार में नुकसान का रुख था। अमेरिका में अगस्त महीने में उम्मीद से अधिक महंगाई दर के साथ फेडरल रिजर्व (केंद्रीय बैंक) के ब्याज दर बढ़ाने की आशंका है। इससे विश्व के विभिन्न बाजारों में गिरावट रही। अमेरिका में अगस्त में मुद्रास्फीति 8.3 फीसदी रही जबकि अर्थशास्त्री 8.1 फीसदी की उम्मीद कर रहे थे।

उबर ने टैक्स और जुर्माने के रूप में चुकाए 8 अरब

नई दिल्ली। सरकार के ऑडिट में उबर की हेराफेरी पकड़ी गई। कंपनी को बैक टैक्स और जुर्माने के रूप में 7,94,73,55,900 रुपए सरकारी खजाने में जमा कराने पड़े हैं। यह मामला अमेरिका के न्यू जर्सी राज्य का है। उबर ने 2014 से 2018 के बीच ड्राइवरों को स्वतंत्र कांट्रेक्टर बताकर टैक्स बचाया और ड्राइवरों को दी जाने वाली वित्तीय सुविधा भी नहीं दी। कंपनी का कहना था कि ड्राइवर उसके कर्मचारी नहीं हैं लेकिन सरकार ने उसकी यह दलील नहीं मानी और कंपनी को टैक्स चुकाने के लिए जिम्मेदार माना। एक रिपोर्ट के अनुसार न्यू जर्सी के श्रम विभाग का कहना है कि कंपनी के इस कदम से उबर के ड्राइवरों ने न्यूनतम वेतन, ओवरटाइम वेतन, बेरोजगारी बीमा, अर्जित बीमारी अवकाश, पारिवारिक अवकाश और अन्य लाभों के अधिकार खो दिए। अटॉर्नी जनरल मैट प्लेटकिन का कहना है कि कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों का गलत वर्गीकरण करना सहन नहीं किया जाएगा। कंपनियां कर्मचारियों को मिसक्लासीफाई करके कर्मचारी को दिए जाने वाले जरूरी लाभों और कर्मचारियों की भलाई के लिए चलाई जा रही योजनाओं में योगदान देने से बच नहीं सकतीं।

एलन मस्क तोड़ रहे सौदा तो ट्विटर के शेयरधारकों ने किया 44 अरब डॉलर के प्रस्ताव का समर्थन

ट्विटर ने मस्क पर सौदा पूरा करने के लिए मुकदमा दायर किया है

नई दिल्ली। ट्विटर के शेयरधारकों ने 44 अरब डॉलर में इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को खरीदने की एलन मस्क की बिड का समर्थन किया है। ट्विटर ने कहा कि प्रारंभिक गणना से शेयरधारकों के इस फैसले का पता लगा है। ट्विटर के शेयरधारकों ने मस्क के प्रस्ताव का समर्थन किया है, भले ही मस्क इस सौदे से पीछे हट रहे हों। यह बात कुछ मिनटों तक चली शेयरधारकों की एक बैठक के दौरान सामने आई। इस बैठक में अधिकांश वोट ऑनलाइन डाले गए थे। बता दें कि ट्विटर ने मस्क पर सौदा पूरा करने के लिए मुकदमा दायर किया हुआ है। अक्टूबर में इसका ट्रायल होगा। ट्विटर का कहना है कि मस्क ने बिना किसी सुद्दे के डील को रद्द किया है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने अप्रैल में ट्विटर के साथ 54.20 डॉलर प्रति शेयर के हिसाब से

लगभग 44 अरब डॉलर में डील रखी थी। मस्क के इस प्रस्ताव के कुछ दिन बाद उनका ट्विटर के साथ गतिरोध शुरू हो गया। एलन मस्क ने ट्विटर पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि ट्विटर ने उन्हें कारोबार के संबंध में भ्रामक जानकारी दी थीं। मस्क ने कहा था कि जब उन्होंने ट्विटर से फेक अकाउंट्स की डिटेल्स मांगी, तो ट्विटर ने इससे इनकार कर दिया। एलन मस्क ने इसके बाद डील कैंसिल कर दी। हाल ही में मस्क ने ट्विटर डील तोड़ने के पीछे एक और बड़ा कारण बताया था। उन्होंने कहा कि ट्विटर का व्हिसल ब्लोअर को पेमेंट डील को तोड़ने का बड़ा कारण है। मस्क ने कहा कि ट्विटर का एक पूर्व कर्मचारी जो व्हिसल ब्लोअर बन गया था, उसे लाखों डॉलर का भुगतान किया था। यह एक बड़ा कारण था, जिसके चलते मस्क ने ट्विटर को खरीदने की 44 अरब डॉलर की डील को रद्द कर दिया। मस्क का यह बयान वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के बाद आया था। इस रिपोर्ट में कहा गया कि ट्विटर ने एक विवाद के निपटारे के लिए व्हिसल ब्लोअर को लाखों डॉलर भुगतान करने का फैसला लिया।

तापसी की बहन शगुन पन्नू ग्लैमर के मामले में देती हैं अभिनेत्रियों को भी मात

बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू आज के समय में एक जानी-मानी अभिनेत्री बन चुकी हैं। वह अक्सर ही अपनी खूबसूरती और बेहतरीन अदाकारी की वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि तापसी पन्नू की एक बहन भी हैं ? जो खूबसूरती के मामले में किसी भी एक्ट्रेस से कम नहीं हैं। आज हम आपको तापसी की खूबसूरत बहन शगुन से रूबरू कराएंगें।

दरअसल तापसी पन्नू की बहन शगुन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया हैं। जिसमें वे बेहद ही खूबसूरत दिखाई दें रही हैं। आपको बता दें कि इन दिनों तापसी की बहन शगुन फ्रांस में हैं वहीं से उन्होंने अपना यह वीडियो शेयर किया हैं। अपने इस वीडियो में शगुन पिंक कलर के क्रॉप टॉप और प्रिंटेडशॉर्ट्स पहना हुआ हैं साथ ही उन्होंने ग्रे डेनिम शर्ट पहनी हुई है। तापसी की बहन शगुन के इस वीडियो को लोग काफी पंसद कर रहे हैं। आपको बताते चले कि तापसी पन्नू की बहन शगुन पन्नू बेशक से अभी तक किसी भी फिल्म में नजर न आई हो लेकिन असल जीवन में काफी बोल्ड और ग्लैमरस हैं। उनका स्टाइल किसी भी अभिनेत्री से कम नहीं हैं। उनका अंदाज भी अपनी बहन तापसी के जैसा ही हैं और दोनों बहनों की आदतें भी एक-दूसरे से काफी मिलती जुलती हैं। वहीं बात करें दोनों बहनों की बॉन्डिंग की तो दोनों बहनें काफी क्लोज हैं और दोनों एक साथ मुंबई में रहती हैं। तापसी अपनी छोटी बहन से बहुत प्यार करती हैं और एक सहेली की तरह दोनों बहने ही आपस में अपनी सारी बातें शेयर करती हैं। वहीं तापसी और शगुन को अक्सर साथ में बाहर घूमते हुए भी कई बार स्पॉट किया गया हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की बहन शगुन पन्नू सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी वीडियो, फोटोज शेयर करती हैं।

देवोलीना भट्टाचार्जी आने वाली फिल्म कूकी के लिए बनीं पत्रकार

टीवी अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी, जो वर्तमान में साथ निभाना साथिया 2 में नजर आ रही हैं। इसी के साथ अभिनेत्री प्रणब जे डेका द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म कुकी में एक पत्रकार की भूमिका निभाने के लिए पूरी तरीके से तैयार हैं। अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी कहती हैं, मैं इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं। मैं नवनीता सेन के रूप में दिखूंगी, जो पेशे से एक पत्रकार हैं। यह पहली बार है जब मैं एक पत्रकार की भूमिका निभाने जा रही हूं। यह एक बहुत ही दिलचस्प किरदार है। मेरे दर्शक फिल्म में एक नया मुझे देखेंगे। फिल्म की कहानी एक बलात्कार पीड़िता पर आधारित है।

गोपी बहू का प्रतिष्ठित किरदार निभाने और बाद में रियलिटी टीवी शो बिग बॉस में भाग लेने के लिए अपार लोकप्रियता हासिल करने वाली देवोलीना को लगता है कि पत्रकार हमारे समाज के बहुत महत्वपूर्ण सदस्य हैं। देवोलीना भट्टाचार्जी कहती हैं, पत्रकारों के प्रति मेरा हमेशा बहुत आभार रहा है। मुझे लगता है कि वे हमारे समाज के बहुत महत्वपूर्ण सदस्य हैं। वे वास्तव में हमें हर महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ अद्यतन और शिक्षित रहने में मदद करते हैं। मुझे लगता है कि कई बार एक पत्रकार एक पीड़ित के लिए एक मामला जीतने और न्याय पाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हालांकि पेशा एक बहुत ही जिम्मेदार है, मुझे लगता है कि व्यक्ति इसे उठा रहे हैं पेशे को समर्पित और वफादार रहना चाहिए क्योंकि उनके पास हमेशा कई महत्वपूर्ण चीजों की महत्वपूर्ण पहुंच होती है। कूकी में दीपानिता शर्मा, राजेश तैलंग, स्वास्तिका मुखर्जी, उदयन दुआरा भी हैं। इसकी शूटिंग असम के दो शहरों तेजपुर और गुवाहाटी में की जाएगी।

ऋतिक रोशन 'फाइटर' की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार

इंडिया के ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन एक महत्वाकांक्षी मेरफिलिक्स विजन और देश की पहली एरियल एक्शन ड्रामा फाइटर की शूटिंग शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। सुपरस्टार की लोकप्रियता और सोशल मीडिया पर यंग इंडिया के साथ जुड़ाव को देखते हुए, ऋतिक ने अपने और ऋू के साथ एक बीटीएस बिंज-मील वीडियो अपने फैन्स के साथ शेयर की। इसमें टीम को बर्गर, फाइज़ खाते और शूटिंग से समय निकाल कर साइट्स को एंजॉय करते देखा जा सकता है। हाल में ऋतिक रोशन ने अपने एक फनी पोस्ट में इसे शेयर करते हुए लिखा, ÷मुझे एक ऐसी टीम मिली, जिसे खाने से उतना ही प्यार है जितना मुझे। फूडीज असेंबल!

देश के सबसे फिट अभिनेताओं में से एक माने जाने वाले ऋतिक के फूडी-साइड की झलक पेश करने वाले इस वीडियो को देख उनके सभी सोशल मीडिया फैन्स हैरान है। हालांकि वो एक्टर की इस फन साइड को भी खूब एंजॉय कर रहें है। ऋतिक ने अक्सर हमें अपना यह साइड दिखाया है जिसमें उन्होंने समोसे के लिए अपने प्यार के बारे को जाहिर किया और शूटिंग के दौरान खाने के मेनू कार्ड को गंभीरता से देखा। ऋतिक रोशन की फाइटर सह-कलाकार दीपिका पादुकोण, जो एक और स्व-घोषित खाने की शौकीन हैं, वीडियो का जवाब देने वालों में सबसे पहले थीं, उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा है वेट फॉर मी। ऐसे में फैंस दोनों को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और फाइटर के साथ आखिरकार ऐसा ही होने जा रहा है।

संट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) की कार्यशाला में अभिनेता सुनील शेट्टी

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स (सीबीएन) द्वारा अंधेरी मुंबई के करमीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में जन जागरूकता अभियान के तहत आयोजित एक कार्यशाला में विशेष अतिथि के रूप में अभिनेता सुनील शेट्टी ने भाग लिया। अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए आगे कहा कि नशा करने वालों को कट्टर अपराधियों के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए व्यवहार और उन्हें कलंकित या पीड़ित नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि हमारे समाज को उनके प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण रखना चाहिए और उन्हें ऐसी जानलेवा आदतों से बाहर आने में मदद करनी चाहिए। सुनील शेट्टी के साथ, श्री राजेश एफ. ढाबरे, नारकोटिक्स कमिश्नर (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स) और डॉ. सारिका दक्षिकर, एसोसिएट प्रोफेसर (गोकुलदास तेजपाल अस्पताल, मुंबई) ने भी कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

नारकोटिक्स कमिश्नर (सेंट्रल ब्यूरो ऑफ नारकोटिक्स)

राजेश एफ ढाबरे ने कहा ÷आज हमारे पास एक बहुत व्यापक कार्यशाला रहने की वजह से हमने नशीली दवाओं की लत और मादक पदार्थों की तस्करी के सभी पहलुओं पर विचार करते हुए काफी सफलता पाई है। ऐसी कार्यशालाओं के माध्यम से, हमारा मुख्य उद्देश्य है समाज में अपराध दर को कम करने और लोगों को मादक पदार्थों की लत के परिणामों को समझने में मदद करने के लिए। हमने भारत को नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया है।

दोबारा एक नए जमाने की थ्रिलर

एकता आर कपूर और अनुराग कश्यप की बहुप्रतीक्षित न्यू एज थ्रिलर दोबारा दोबारा एक नए जमाने की थ्रिलर है जिसके साथ तीसरी बार तापसी और अनुराग एक साथ आए हैं। दोबारा के साथ, तापसी और पावेल गुलाटी की हिट जोड़ी थप्पड़ की शानदार सफलता के बाद फिर से दिखाई देगी। फिल्म की स्क्रीनिंग से पहले तापसी पन्नू ने इसे लेकर अपनी घबराहट और उत्साह, दोनों व्यक्त की थी। अभिनेत्री ने उल्लेख किया था, ÷ठीक है, मैंने नहीं सोचा था कि फिल्म की पहली स्क्रीनिंग के लिए इसे एक अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा। मैं दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए उत्सुक हूं। यह ईमानदारी से नर्वस होने वाला है, क्योंकि यह पहली बार है जब ओपन ऑडियंस फिल्म देखने जा रही हैं। मैं जितनी उत्साहित हूं उतनी ही नर्वस भी हूं। लेकिन, लंदन, हां, यह सब कुछ थोड़ा बेहतर महसूस कराता है÷। अवॉर्ड विनिंग एक्ट्रेस तापसी पन्नू स्टारर त यह फिल्म क्रिटिकली अक्लेमड डायरेक्टर अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित है और शोभा कपूर और एकता आर कपूर (कल्ट मूवीज, बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत एक नया विंग) और सुनील खेतरपाल और गौरव बोस (एथेना) द्वारा निर्मित है।

प्यारी नामक सत्य घटना पर आधारित किताब पर अब बनेगी फिल्म

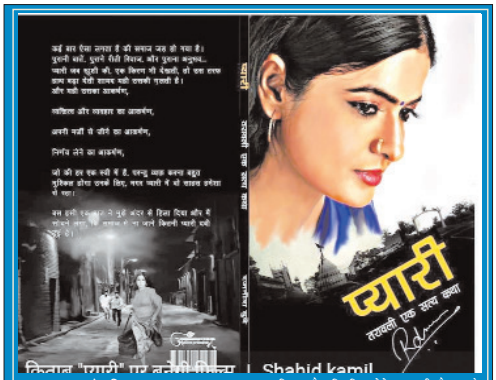

के रवि (दादा) „

भोपाल। देश और दुनिया में जो घटीत होता उसि को महेनजर रखकर अब तक मनोरंजन की दूनिया ने सैकडो फिल्मे बन चुकी है अब यह भी देखिये की फिल्म अभिनेता और दिल्ही 47 चद्ध के मुख्य नायक . रजनीश दुबे की किताब ,÷प्यारी÷ एक सत्यकथा पर जल्दी फिल्म का निर्माण शुरू किया जाएगा। अपने भारत देश के मध्यप्रदेश बैरसिया के तरावली गाँव की सच्ची घटना पर आधारित प्यारी तरावली एक सत्य कथा, नामक किताब में अस्तित्व प्रकाशन के माध्यम से प्रकाशित और वितरित होने जा रही है, इसके लेखक, कलाकार और निर्देशक, स्वयं रजनीश दुबे ही है, जिनका जन्म स्थान भी मध्य प्रदेश का बैरसिया है प्यारी तरावली एक सत्य कथा, नामक यह किताब अस्तित्व प्रकाशन के माध्यम से प्रकाशित और वितरित होने जा रही है यह किताब हिंदी और इंग्लिश दोनो भाषा में उपलब्ध है जिसे आप अमेजन, फिल्पकार्टऔर अस्तित्व प्रकाशन से ऑडर भी कर सकते हैं और ऑनलाइन प्लेटफार्म पर इस किताब को पढ़ा भी जा सकता है। कहानी की रोचकता देखते हुए, मुंबई में इस किताब पर फिल्म निर्माण का कार्य भी शुरू हो गया है।

रजत कपूर की मल्लिका शेरावत स्टारर आरके अगले माह होगी रिलीज

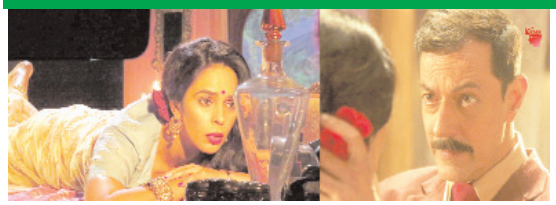

आरके एक चिंतित निर्देशक (आरके) की कहानी है, जिसने अपनी नई फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है, लेकिन एडिट टेबल पर चीजें बहुत सही नहीं लग रही हैं। आरके के मन में कुछ गलत होने का डर है। और उसका सबसे बुरा सपना सच हो जाता है, जब उसे एडिट रूम से एक परेशान करने वाला फोन आता है, जिसमें कहा जाता है कि फिल्म का नायक प्रोजेक्ट से बाहर निकल गया है, फिल्म के प्लॉट पर नियंत्रण कर रहा है। महबूब की फिल्म खत्म हो गई है- आरके और उसकी टीम को उसे ढूंढना चाहिए और उसे फिल्म में वापस भेजना चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि रजत कपूर की फिल्म आरके की रिलीज में एक महीना बाकी है, लेकिन इस कॉमेडी को पहले ही कई अंतरराष्ट्रीय समारोहों में दिखाया और सराहा जा चुका है, जिसमें शंघाई इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल, फ्लोरेंस में रिवर टू रिवर फेस्टिवल, बुकियन इंटरनेशनल फैंटास्टिक फिल्म फेस्टिवल, ऑस्टिन फिल्म महोत्सव और पुणे अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शामिल हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए रजत कपूर कहते हैं, आरके एक ऐसा विचार है जो लगभग पिछले 10 वर्षों से मेरे साथ था। धीरे-धीरे यह अपने वर्तमान स्वरूप को खोजने के लिए विकसित हुआ है। यह एक मैड फिल्म है .. और मेरा मतलब है कि मैड के सर्वोत्तम संभव अर्थ में। यह अपरंपरागत है, यह निराला और मजेदार है और इसका एक अलग स्वाद है। इसे अपने दर्शकों के साथ साझा करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकता..÷ आंशिक रूप से क्राउड फंडेड प्यार का श्रम, आरके उन लोगों के लिए सिनेमा का एक आदर्श हिस्सा है जो अनुकूल मनोरंजन की तलाश में हैं। यह उतना ही असल है जितना इसे मिलता है। प्रियांशी फिल्म्स (प्रियम श्रीवास्तव और हर्षिता करकरे) द्वारा निर्मित फिल्म में मल्लिका शेरावत, कुब्रा सैत, रणवीर शौरी, मनु ऋषि चड्ढा, चंद्रचूर राय, अभिजीत देशपांडे, अभिषेक शर्मा, ग्रेस गिरधर और वैशाली मल्हारा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। एनफ्लिक्स प्राइवेट लिमिटेड (नितिन कुमार और सत्यवर्त गौड) एक मिथ्या टॉकी और प्रियाशी फिल्म्स प्रोडक्शन द्वारा प्रस्तुत आरके को रजत कपूर द्वारा लिखा और निर्देशित किया गया है।

वाजपेयी के जीवन पर आधारित फिल्म के अधिकार मिले

प्रसिद्ध कवि , लेखक, भारत के पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवनवृत्त पर आधारित फिल्म मैं रहूं या ना रहूं, ये देश रहना चाहिए - अटल के निर्माण के लिए विनोद भानुशाली और संदीप सिंह ने भारत के बेस्ट सेलिंग बुक, 3 टाइम प्राइम मिनिस्टर के अधिकार हासिल कर लिए हैं। वैसे यह फिल्म पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब द अनटोल्ड वाजपेयी÷ पॉलिटिशियन एंड पैराडॉक्स का एक नाटकीय रूपांतरण है जिसे प्रसिद्ध लेखक उल्लेख एन पी ने लिखा है। भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड और लीजेंड स्टूडियो की नवीनतम प्रस्तुति मैं रहूं या ना रहूं, ये देश रहना चाहिए - अटल% का निर्माण संयुक्त रूप से विनोद भानुशाली, संदीप सिंह, सैम खान, कमलेश भानुशाली और विशाल गुरनानी कर रहे हैं। जूही पारेख मेहता, जीशान अहमद और शिव शर्मा इस फिल्म के सहनिर्माता हैं। फिल्म निर्माण की घोषणा के बाद फिल्म के निर्मातागण कलाकारों की चयन प्रक्रिया में लगे हैं। फिल्म की शूटिंग 2023 के शुरुआत में शुरू की जाएगी।

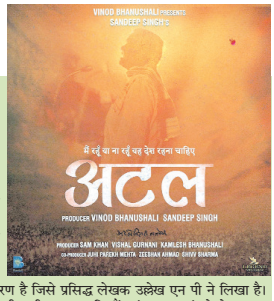

अंजाम की ओर ज्ञानवापी

ज्ञानवापी किसकी है? इस सवाल का जवाब तय करने के लिए कोर्ट में ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी केस पर सुनवाई का रास्ता कम से कम वाराणसी जिला अदालत से तय हो गया। जिला जज डॉ.अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने दायर वाद की सुनवाई के हक में अपना फैसला सुनाया। हालांकि अभी भी इस मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में अपील की जा सकती है। प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। पिछली सुनवाई पर दोनों पक्ष की बहस पूरी होने के बाद अदालत ने सुनवाई के लिए 12 सितंबर की तिथि तय की थी। पिछले साल सिविल जज (सीनियर डिविजन) की कोर्ट में श्रृंगार गौरी के दर्शन-पूजन और सौंपने सम्बंधी मांग को लेकर वादी राखी सिंह सहित पांच महिलाओं ने गुहार लगाई थी। प्रतिवादी अंजुमन इंतजामिया मस्जिद ने प्रार्थना पत्र देकर वाद की पोषणीयता पर सवाल उठाया था। अदालत ने प्रतिवादी की अर्जी दरकिनार करते हुए सुनवाई की और ज्ञानवापी परिसर का सर्वे कराकर रिपोर्ट तलब कर ली। इसी दौरान अंजुमन ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जिला जज की अदालत में 26 मई से सुनवाई शुरू हुई। मसाजिद की ओर से सिविल प्रक्रिया संहिता आदेश 07 नियम 11 (मेरिट) के तहत केस खारिज करके लिए कई तिथियों पर दलीलें दी गईं। 24 अगस्त को दोनों पक्ष को सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश सुरक्षित रख लिया। इस दौरान वादी पक्ष की ओर से लिखित बहस भी दाखिल की गई है। मुस्लिम पक्ष ने कई विवरण व पत्रावली कोर्ट में दी हैं। पूर्व में हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष की ओर से केस की मेंटिर संबंधी याचिका खारिज हो चुकी है। दरअसल, ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी केस तब शुरू हुआ, जब 18 अगस्त 2021 को पांच हिंदू महिलाओं ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में मौजूद हिंदू देवी-देवताओं की पूजा की अनुमति मांगी थी। इन महिलाओं ने खासतौर पर श्रृंगार गौरी की हर दिन पूजा करने की इजाजत चाही थी। अभी यहां साल में एक बार ही पूजा होती है। कोर्ट के आदेश पर मस्जिद में सर्वे भी किया गया था। सर्वे के बाद हिंदू पक्ष ने दावा किया था कि मस्जिद के तहखाने में शिवलिंग मौजूद है, जबकि मुस्लिम पक्ष ने इसे फव्वारा बताया था। इन पांच याचिकाकर्ताओं का नेतृत्व दिल्ली की राखी सिंह कर रही हैं, बाकी चार महिलाएं सीता साहू, मंजू व्यास, लक्ष्मी देवी और रेखा पाठक बनारस की हैं। 26 अप्रैल 2022 को वाराणसी सिविल कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में श्रृंगार गौरी और अन्य देव विग्रहों के सत्यापन के लिए वीडियोग्राफी और सर्वे का आदेश दिया था। वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद काशी विश्वनाथ मंदिर के कैंपस में ही है, मस्जिद की एक दीवार किसी मंदिर के अवशेष की तरह नजर आती है। मान्यता है कि 1669 में औरंगजेब ने काशी विश्वनाथ मंदिर का एक हिस्सा तोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। कुछ इतिहासकार कहते हैं कि 14वीं सदी में जौनपुर के शर्की सुल्तान ने मंदिर को तुड़वाकर ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। कुछ मान्यताओं के अनुसार अकबर ने 1585 में नए मजहब दीन-ए-इलाही के तहत विश्वनाथ मंदिर और ज्ञानवापी मस्जिद बनवाई थी। मस्जिद और विश्वनाथ मंदिर के बीच 10 फीट गहरा कुआं है, जिसे ज्ञानवापी कहा जाता है। इसी कुएं के नाम पर मस्जिद का नाम पड़ा। स्कंद पुराण में कहा गया है कि भगवान शिव ने स्वयं लिंगाभिषेक के लिए अपने त्रिशूल से ये कुआं बनाया था। शिवजी ने यहीं अपनी पत्नी पार्वती को ज्ञान दिया था, इसलिए इस जगह का नाम ज्ञानवापी या ज्ञान का कुआं पड़ा। वाराणसी के प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर में बनी ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर जारी विवाद वर्षों पुराना है।

यातायात नियमः जरूरी है स्वाभाविक चैतन्यता

अनिल बिहारी श्रीवास्तव

जाने-माने उद्योगपति और टाटा सन्स के पूर्व चेयरमैन सायरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में मौत ने रोड सेफ्टी और ड्राइविंग से जुड़े कई सवाल उठाये हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सड़क सुधार और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन जैसे मुद्दों पर व्यापक बहस और तत्काल जरूरी कदम उठाये जाने की जरूरत है। चार सितम्बर को अहमदाबाद से मुंबई लौटते समय सायरस मिस्त्री जिस मर्सीडीज कार में यात्रा रहे थे, वह महाराष्ट्र के पालघर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में मिस्त्री के साथ पिछली सीट पर बैठे उनके मित्र की भी मृत्यु हो गई। कार चला रही महिला और उसके पति एयरबैग खुलने से बच गए लेकिन उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। दुर्घटना को लेकर कई तरह की बातें सुनने में आई हैं। कहा गया था कि मर्सीडीज की पिछली सीट के एयरबैग नहीं खुले थे। सवालिया प्रतिक्रियाएं भी आईं। मसलन- 'आगे के दोनों एयरबैग खुल गए थे फिर पीछे के एयरबैग में क्या दिक्कत आ गई?' सवाल भी सुनाई दिये, 'आखिर इतनी महंगी कार लेने का मतलब क्या जब सुरक्षा की कोई गारंटी ही नहीं है।' मर्सीडीज के विशेषज्ञों का कहना है कि पीछे के एयरबैग भी खुल गए थे लेकिन पिछली सीट पर बैठे दोनों व्यक्तियों ने सीट बेल्ट नहीं लगाये थे। मर्सीडीज कंपनी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि साइरस की मर्सीडीज दुर्घटना से कुछ सेकेण्ड पहले 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाई जा रही थी। दुर्घटना से मात्र पांच सेकेंड पहले ब्रेक लगाया गया लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। 89 किमी की स्पीड से मर्सीडीज सूर्या नदी के समीप पुल की पैरापेट वॉल से जा टकराई। गौरतलब है कि एनएच-98 पर गाड़ियों के लिए स्पीड लिमिट 90 किमी प्रति घंटा है, जबकि सूर्या नदी के पुल से पहले स्पीड लिमिट 40 किमी प्रति घंटा करने के स्पष्ट निर्देश हैं। जाहिर है कि महिला चालक के विरूद्ध स्पीड वॉयलेशन का भी मामला बनेगा। एक फोरेंसिक टीम ने दुर्घटना के लिए सूर्या नदी पर बने पुल की गलत डिजाइन को जिम्मेदार माना है। टीम का कहना है कि दुर्घटनास्थल से कुछ मीटर पहले सड़क तीन लेन से सिकुड़ कर दो लेन हो जाती है। पुल के पास सड़क पर उभार है और सामने बना डिवाइडर दुर्घटना का कारण बन गया।

सीट बेल्ट नहीं पहना जाना, ओवर स्पीड, दोपहिया वाहन सवारों द्वारा हेलमेट नहीं पहना जाना, सड़क में गड्ढे अथवा अनावश्यक उभार जैसे दोष या पुल की गलत डिजाइन ये सारे नजारे भारत में बहुत आम हैं। मर्सीडीज की दुर्घटना और सायरस की मृत्यु के लिए इनमें से कम से कम दो कारणों को जिम्मेदार माना जा सकता है। आज यह अहम सवाल होना चाहिए कि इस दुर्घटना से किसी ने कोई सबक लिया या नहीं? केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संकेत दिए हैं कि केंद्र सरकार कार की पिछली सीट पर भी सीट बेल्ट अलार्म सिस्टम लगाना अनिवार्य करने की योजना बना रही है। फिलहाल आगे की सीट पर बैठे यात्रियों के लिए सीट बेल्ट रिमाइंडर अलार्म देना अनिवार्य है। पीछे की सीट पर बैठे यात्रियों द्वारा सीट बेल्ट न लगाने पर केंद्रीय मोटर वाहन नियम 138(3) के तहत एक हजार रुपये जुर्माने का प्रावधान है। देखा गया है कि अधिकांश कार यात्री इसकी परवाह नहीं करते। एक रिपोर्ट में बताया गया था कि 2020 में देश में कार में सीट बेल्ट नहीं पहनने के कारण हादसों में 15,146 लोग मारे गए थे। कुछ लोगों तो सीट बेल्ट के नाम पर बिदक जाते हैं। शिकायत यह की जाती है कि सीट बेल्ट लगाने से असुविधा होती है, जकड़े जाने जैसा महसूस करते हैं। इस कुतर्क को हेलमेट पहनने से बचने वाले दुपहिया वाहन सवारों द्वारा अक्सर की जाने वाली टिप्पणी की तरह लेना चाहिए।

भारत में सड़कों की दुर्दशा, पुलों-फ्लाई ओवर की दोषपूर्ण डिजाइन आदि को लेकर शिकायतें सुनने में आती रहती हैं। उस पर ओवर स्पीडिंग रही-सही कसर पूरी कर देती है। जान जोखिम में डालने वाली तेज रफ्तार को शान का प्रतीक माना जाता है। सोशल मीडिया पर एक कमेंट ने ध्यान खींचा है। एक सज्जन ने पालघर में हुई मर्सीडीज दुर्घटना पर टिप्पणी की- 'आपकी कार महंगी है, मजबूत है, तेज दौड़ सकती है, अच्छी बात है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि कार को विमान समझ कर उड़ाने की कोशिश करने लगें। अच्छी ड्राइविंग के साथ आईक्यू भी बढ़िया होना चाहिए। तेज कार चलाने पर यदि वह बेकाबू हो गई तो आप अपने साथ-साथ दूसरों की जान को भी खतरे में डाल देंगे।' यह कहने में संकोच नहीं होना चाहिए कि नितिन गडकरी के कार्यकाल में हाइवेज की दशा में काफी सुधार हुआ है पर अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। गत माह केरल हाईकोर्ट ने खराब सड़कों के कारण होने वाले हादसों पर सख्त रवैया अपनाते हुए कहा था- 'जब कोई राष्ट्रीय राजमार्ग पर हादसे में मारा जाता है या घायल होता है तो केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की विशेष भूमिका होती है। ऐसे में संवैधानिक त्रुटि सिद्धांत लागू होता है। भविष्य में खराब सड़कों के कारण हादसा होने पर कलेक्टर को जवाब देना होगा।' पालघर सड़क दुर्घटना ने सोचने पर विवश किया है कि सड़क या हाइवेज के निर्माण के समय जोखिम के पक्ष का कितना ध्यान रखा जाता है। सड़क का थ्री लेन से टू लेन में परिवर्तन सूर्या नदी पुल से काफी पहल क्यों नहीं बनाया गया?

भारत में सड़क दुर्घटना के आंकड़े भयभीत करने वाले हैं। एनसीआरबी की एक रिपोर्ट के अनुसार बीते साल सड़क दुर्घटनाओं में डेढ़ लाख से अधिक लोग मारे गए। कहा गया है कि 60 प्रतिशत हादसे वाहनों की तेज रफ्तार के कारण हुए थे। दुर्घटना के जो मुख्य कारण सामने आये हैं उनमें अतिक्रमण और सड़कों की खराब डिजायनिंग, सड़कों पर गड्ढे, गलत दिशा में वाहन चलाने, ओवर लोडिंग और यातायात नियमों की अनदेखी प्रमुख हैं। बताया गया है कि शाम छह बजे से रात नौ बजे के बीच दुर्घटना का खतरा अधिक होता है। 2021 में 27 प्रतिशत हादसे लापरवाही या ओवरटेकिंग के कारण हुए। तेज रफ्तार के कारण गत वर्ष चार लाख से अधिक दुर्घटनाएं हुईं थीं। एक-तिहाई दुर्घटनाएं ग्रामीण क्षेत्रों में हुईं। एक बात और पाई गई कि दुर्घटनाओं में दोपहिया वाहनों की बड़ी हिस्सेदारी रही है। गत वर्ष दोपहिया वाहनों ने लगभग सत्तर हजार जानें ले ली। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार विश्व भर में मौजूद कुल वाहनों को मात्र एक प्रतिशत हिस्सा ही भारत में है लेकिन कुल सड़क दुर्घटना मौतों का दस प्रतिशत हिस्सा भारत का होता है। यहां रोड सेफ्टी के नाम जितने भी उपाय अब तक किए गए हैं उनसे दुर्घटनाओं और हताहत होने वाले लोगों की संख्या कम करने में कोई विशेष मदद नहीं मिली। यह एक चिंतनीय पक्ष है।

सवाल यह है कि भारत में सड़कों को किस तरह सुरक्षित बनाया जा सकता है? जहां तक वाहनों की बात है, इस विषय यही कहा जा सकता है कि गत दो-ढाई दशकों के दौरान वाहनों की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में काफी काम हुआ है। अब मैकेनिकल फाल्ट के चलते बहुत ही कम वाहन दुर्घटनाग्रस्त होते हैं। कभी-कभार ही इस तरह की शिकायत सुनने में आती हैं। अधिकांश वाहन मानवीय भूल के चलते ही दुर्घटना के शिकार होते रहे हैं। मानवीय भूल में ओवर स्पीडिंक, यातायात नियमों की अनदेखी, सुरक्षा निर्देशों का पालन नहीं किया जाना, सड़कों और पुलों के दोषपूर्ण को रखा जा सकता है। मध्यप्रदेश में पुलिस उपायुक्त यातायात प्रबंधन महेशचंद जैन का कहना है कि सड़कों पर हादसों और उनमें मौतों को रोकने का यही उपाय समझ में आता है।

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है %शांति%। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी। खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं।

यह भारत जोड़ो नहीं, सत्ता के लिए यात्रा है

सुरेश हिन्दुस्थानी

वर्तमान में कांग्रेस पार्टी जिस दो राहे पर खड़ी है, वह भूलभुलैया जैसी स्थिति को प्रदर्शित कर रहा है। क्योंकि कांग्रेस में जो सुधार की आवाजें मुखरित हो रही हैं, उसे कांग्रेस नेतृत्व सिरे से नकारना का काम कर रहा है। इसे कांग्रेस का बहुत कमजोर पक्ष कहा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी, क्योंकि कांग्रेस के सुधार की आवाज उठाने वाले नेता छोटे स्तर के नेता नहीं, बल्कि कांग्रेस को स्थापित करने में पसीना बहाने वाले रहे हैं। इनकी आवाज को अनसुना करके ऐसा ही लग रहा है कि कांग्रेस में नेतृत्व से अलग राय रखने वाले नेताओं की कोई जगह ही नहीं है। अब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा निकाल रही है, जिसकी कमान राहुल गांधी संभाल रहे हैं। लेकिन कांग्रेस के लिए बेचैन करने वाली स्थिति यह है कि जिसके नेतृत्व पर सवाल उठ रहे हैं, कांग्रेस ने फिर से उन्हीं राहुल गांधी को आगे करके परिवर्तन की आस देख रहे नेताओं को ठेंगा दिखाने का कार्य किया है। ऐसे में प्रश्न यह भी है कि कांग्रेस किसको जोड़ने का प्रयास कर रही है। क्योंकि जो अपने दल के नेताओं को एक सूत्र में पिरोने में सफल नहीं हो पा रही है, वह किस आधार पर भारत जोड़ने की कल्पना कर रही है। दूसरी बात यह भी है कि जिस कांग्रेस ने भारत का विभाजन किया, और जिस कांग्रेस ने कभी भारत तोड़ने वालों का खुलकर समर्थन किया, वह कौन से भारत को एक करना चाह रही है। वास्तविकता यह है कि कांग्रेस को अब भी यह नहीं लग रहा है कि वह केंद्र की सत्ता को प्राप्त करने में सफल हो जाएगी। इसी कारण कांग्रेस का यह सारा खेल केवल और केवल सत्ता प्राप्त करने के लिए ही चल रहा है। परंतु इसके लिए कांग्रेस अगर अपने सुधार के लिए कार्य करती तो उसे वह मार्ग भी दिखाई दे जाता, जो सफलता की ओर जाता है। कांग्रेस पार्टी में जिस प्रकार का वातावरण दिखाई दे रही है, उससे तो ऐसा ही लगता है कि कांग्रेस में केवल उन्हीं नेताओं की पूछ परख ज्यादा हो रही है, जो गांधी नेहरू परिवार की प्रशंसा करने का सामर्थ्य रखता हो। मानवीय दृष्टि से यह बात सही है कि प्रशंसा का हर कोई भूखा होता है। चाहे वह कोई व्यक्ति हो अथवा संस्था ही क्यों न हो, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि प्रशंसा सुनना बहुत ज्यादा घातक भी होता है। जिस किसी संस्था के पदाधिकारी अपनी प्रशंसा सुनने के आदी हो जाते हैं, वह सुधार की ओर कभी नहीं जा सकता। इसलिए कहा गया है कि जो निंदा करता है,

उसे अपने अधिकाधिक पास ही रखना चाहिए। वह तो बिना साबुन और पानी के हमारी कमियां बता कर हमारे स्वभाव को साफ करता है। लेकिन कांग्रेस पार्टी में आजकल कुछ उल्टा ही चल रहा है। प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से कांग्रेस का नेतृत्व करने वाले नेता कमियों को सुधारने के लिए कोई प्रयास करते नहीं दिखते। यह केवल इसलिए भी हो रहा है कि उनको केवल वे ही लोग पसंद हैं, जो उनकी प्रशंसा में पुलों का निर्माण कर सकें। अभी हाल ही में कांग्रेस द्वारा महंगाई के विरोध में दिल्ली में किए गए प्रदर्शन में केवल वे ही नेता दिखाई दिए जो नेतृत्व के आदेश पर दिन को भी रात कहने का दुस्साहस कर सकते हैं। ऐसे में कांग्रेस के नेतृत्वकर्ताओं को उस वास्तविकता का बोध भी नहीं हो पाता, जो कांग्रेस को कमजोर करने का कारण है। कभी सोनिया गांधी के अत्यंत करीब रहने वाले गुलाम नबी आजाद आज कांग्रेस के विरोध में तीर कमान लेकर राजनीतिक मैदान में कूद गए हैं। गत दिनों गुलाम नबी आजाद ने जम्मू कश्मीर में अपनी नई पार्टी का गठन करके यह संकेत दे दिया है कि आज की कांग्रेस एक ऐसी डूबता हुआ जहाज है जो चल तो रहा है, लेकिन दिशा का अभाव है। जहां तक महंगाई के विरोध में प्रदर्शन करने का सवाल है तो यह उनका लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन कहा जाता है कि जिनके स्वयं के घर शीशे के होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते। लेकिन कांग्रेस खुलेआम ऐसा ही कर रही है। अपना घर संभालने की बजाय वह केन्द्र सरकार को कोसने में ही अपनी पूरी शक्ति लगा रही है। कांग्रेस यह सोच रही है कि शायद महंगाई के मुद्दे पर जनता उसका साथ दे देगी, लेकिन प्रदर्शन में यह साफ दिखाई दिया कि प्रदर्शन में केवल राजनेता ही दिखाई दिए, जनता का स्वर उसमें शामिल नहीं हो सका। मेरा देश बदल रहा है, मान-सम्मान बढ़ रहा है, यह अनुभव देश का हर नागरिक कर रहा है।

भारत 10 प्रतिशत आर्थिक विकास दर हासिल करने की ओर अग्रसर

सूडोकु नवताल- 6194

सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaar.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6193 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

प्रहलाद सबनानी

पारम्परिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था में सबसे अधिक योगदान सेवा क्षेत्र का रहता आया है एवं रोजगार के सबसे अधिक नए अवसर भी सेवा क्षेत्र में ही निर्मित होते रहे हैं। इस दृष्टि से कोरोना महामारी के बाद अभी हाल ही में बहुत अच्छी खबर आई है कि भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में सेवा क्षेत्र एक बार पुनः मजबूत आधार के रूप में उभर कर सामने आया है। कोरोना महामारी के खंडकाल में सेवा क्षेत्र ही सबसे अधिक बुरे तौर पर प्रभावित हुआ था एवं इसी क्षेत्र में ही रोजगार के सबसे अधिक अवसर प्रभावित हुए थे। परंतु, अब सेवा क्षेत्र में तेजी से हुए सुधार की वजह से देश का परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स यानी पीएमआई अगस्त 2022 में 57.2 अंकों पर पहुंच गया है, जो जुलाई 2022 में 55.5 अंकों के स्तर पर था। आर्थिक गतिविधियों, विशेष रूप से सेवा क्षेत्र में हुए सुधार के चलते भारत में रोजगार भी पिछले 14 वर्षों में सबसे तेज गति से बढ़ा है। सेवा क्षेत्र में व्यापार, होटल और रेस्तरां, परिवहन, भंडारण और संचार आदि से जुड़ी गतिविधियों जैसी कई तरह की अन्य गतिविधियां भी शामिल रहती हैं। वैसे तो उद्योग क्षेत्र एवं कृषि क्षेत्र में भी आर्थिक गतिविधियों में सुधार दृष्टिगोचर है परंतु सेवा क्षेत्र में आए उच्छाल के चलते आज भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। ब्रिटेन को विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के स्थान से नीचे लाकर भारत अब विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत से आगे अब केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं जर्मनी हैं। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है वर्ष 2030 के पूर्व भारत अमेरिका एवं चीन के बाद विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है।

भारतीय अर्थव्यस्था में लगातार तेज गति से हो रही वृद्धि के कारण देश में बेरोजगारी की दर में भी कमी आने लगी है। अप्रेल-जून 2022 तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था ने 13.5 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है। जबकि विश्व की अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं जैसे, चीन की इस अवधि में जीडीपी वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही है, स्पेन में 1.1 प्रतिशत, इटली में 1.0 प्रतिशत, फ्रांस में 0.5 प्रतिशत, जर्मनी में 0.1 प्रतिशत, ब्रिटेन में -0.10 प्रतिशत और अमेरिका में -0.6 प्रतिशत रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी एक प्रतिवेदन में बताया गया है कि अप्रैल-जून 2022 तिमाही में भारत में शहरी बेरोजगारी की दर घटकर 7.6 प्रतिशत पर आ गई है, जो जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में 8.2 प्रतिशत, अप्रेल-जून 2021 तिमाही में 12.7 प्रतिशत एवं अप्रेल-जून 2020 तिमाही में 8.9 प्रतिशत थी। इस प्रतिवेदन में यह भी बताया गया है कि देश की अर्थव्यवस्था कोरोना महामारी की चपेट से बाहर आ रही है और रोजगार एक बार फिर गति पकड़ रहा है। उक्त प्रतिवेदन के अतिरिक्त देश के अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों को रोजगार दिलाने वाले 'स्टाफिंग' उद्योग ने भी भारत में रोजगार के अवसरों को लेकर एक बड़ा दावा किया है। 'स्टाफिंग' उद्योग ने 2021-22 में 12.6 लाख कामगारों को जोड़ा है। जिसमें से अस्थायी नौकरियों में महिलाओं की भागीदारी 27 प्रतिशत रही है। अधिकतर रोजगार डिलिवरी सेवाओं के रूप में निर्मित हुए हैं। जिसमें कुल कामगारों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत की रही है। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन (आईएसएफ) के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 में अस्थायी या काम के हिसाब से निश्चित अवधि के लिए नियुक्त कर्मचारियों की मांग केवल 3.6 प्रतिशत बढ़ी थी। कामगारों को दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों, ई-कॉमर्स और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अधिक रोजगार मिला है। केंद्र सरकार अब सेवा क्षेत्र के अलावा उद्योग क्षेत्र विशेष रूप से कपड़ा उद्योग पर भी विशेष ध्यान दे रही है क्योंकि इस क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर निर्मित करने की अपार सम्भावनाएं मौजूद हैं। भारत में कपड़ा उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार देश के विभिन्न हिस्सों में 75 टेक्सटाइल हब की स्थापना करने जा रही है। इससे देश के युवाओं के लिए रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित होंगे। वर्तमान में केवल तमिलनाडु का तिरुपुर ही भारत का प्रमुख टेक्सटाइल हब माना जाता है। इस हब में 10,000 से अधिक परिधान निर्माण इकाईयां कार्यरत हैं और इन इकाईयों में 6 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। देशभर में इस उद्योग का आकार 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक का है और देश से कपड़े का निर्यात 3.5 लाख करोड़ रुपए का हो रहा है।

राहुल करे कुछ गांधी-जैसा

डॉ वेदप्रताप वैदिक

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा अभी तो केरल में ही चल रही है। राहुल गांधी इसका नेतृत्व कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान भीड़-भाड़ भी ठीक-ठाक ही है। लेकिन सवाल यह भी है कि देश के जिन अन्य प्रांतों से यह गुजरेगी, क्या वहां भी इसमें वैसा ही उत्साह दिखाई पड़ेगा, जैसा कि केरल में दिखाई पड़ रहा है? केरल में कांग्रेस ही प्रमुख विरोधी दल है और खुद राहुल वहीं से सांसद चुने गए हैं। केरल में कांग्रेस की सरकार कई बार बन चुकी है। उसकी टक्कर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी से हुआ करती है लेकिन इस यात्रा के दौरान सारा जोर भाजपा के विरुद्ध रहा है जबकि केरल में भाजपा की उपस्थिति नगण्य है। दक्षिण के जिन अन्य राज्यों में भी यह यात्रा जाएगी, क्या कांग्रेस का निशाना भाजपा पर ही रहेगा? यदि भाजपा को सत्तामुक्त करना ही इस यात्रा का लक्ष्य है तो इसका सबसे ज्यादा जलवा तो गुजरात में दिखाई पड़ना चाहिए था लेकिन यह भारत जोड़ो यात्रा अपने आप को गुजरात से भी नहीं जोड़ पा रही है। गांधी और सरदार पटेल के गुजरात में भी कांग्रेस की जड़ें हिलने लगी हैं। वहां भी अरविंद केजरीवाल की आप पार्टी के नगाड़े बजने लगे हैं। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें हैं, वे राज्य तो राहुल के लिए भीड़ जुटाने में जमीन-आसमान एक कर देंगे लेकिन जिन राज्यों में गैर-कांग्रेसी सरकारें हैं, वहां यदि कांग्रेस कुछ जलवा दिखा सके तो माना जाएगा कि भारत जुड़े न जुड़े, कांग्रेस तो कम से कम जुड़ी रहेगी। इस भारत-जोड़ो यात्रा की नौटंकी में आत्म प्रचार और कांग्रेस बचाओ के अलावा क्या है? इस यात्रा के दौरान भारत के लोगों को कौनसा संदेश मिल रहा है? भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की निंदा के अलावा कांग्रेसी नेता क्या कर रहे हैं? यह काम तो वे दिल्ली में बैठे-बैठे करते ही रहते हैं। उनके पास न तो कोई नया संदेश है, न अभियान है और न ही भारत के नव-निर्माण का कोई नक्शा है। जिन शहरों और गांवों से यह यात्रा गुजर रही है, उनके लोगों को कुछ नए संकल्प लेने की प्रेरणा क्या कांग्रेसी नेता दे रहे हैं? वे खुद ही संकल्पहीन हैं। वे लोगों को नए संकल्पों की प्रेरणा कैसे दे सकते हैं? इस यात्रा के दौरान यदि राहुल लाखों लोगों से ये संकल्प करवाते कि वे रिश्वत नहीं लेंगे, मिलावटखोरी नहीं करेंगे, सांप्रदायिकता नहीं फैलाएंगे, मादक-द्रव्यों का सेवन नहीं करेंगे, अपने हस्ताक्षर स्वभाषा में करेंगे आदि तो राहुल के साथ लगे उपनाम गांधी को वे थोड़ा बहुत सार्थक जरूर कर सकते थे। यदि यह 'भारत जोड़ो यात्रा' सिर्फ कांग्रेस बचाओ यात्रा बनकर रह गई तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए अशुभ ही होगा।

बच्ची के साथ दुष्कर्म के विरोध में महिला कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ रहे अपराध, सरकार खामोश

मुरैना। दो दिन पूर्व बामौर थाना क्षेत्र में 3 वर्ष की बच्ची के साथ हुई रेप की घटना के विरोध में शहर जिला महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा गुरुवार को राज्यपाल के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। शहर जिला महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नजमा बेगम ने कहा कि संपूर्ण मध्यप्रदेश में अपराध दिन ब दिन बढ़ते जा रहे हैं। आज मध्यप्रदेश महिला संबंधित अपराधों की सूची में सम्पूर्ण देश में प्रथम नम्बर पर आ चुका है। सभी अराजक तत्व बेखौफ होकर बड़ी से बड़ी वारदातो को अंजाम दे रहे है, उनके अंदर प्रशासन एवं पुलिस का कोई भय नही रहा है। पुलिस का काम महज सत्ता पक्ष के नेताओं को खुश रखने व उनके हिसाब से काम कर मलाई खाने तक सीमित रह गया है। ऐसे मैं आम नागरिक अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। जिसका उदाहरण पिछले कुछ दिनों में मुरैना में घटित गंभीर अपराध देखने को मिला है, जहां एक 3 वर्ष की मासूम बालिका को शहर के व्यस्त इलाके से एक विकृत मानसिकता वाले अपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्ति ने अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म जैसे घृणित अपराध को अंजाम दिया, वहीं दूसरी ओर सुवालाल के पुरा से कोचिंग जाते समय तीन बालिकाओं को अपहरण कर दो के साथ बलात्कार करने की घटना सामने आई है। इसके अलावा कुछ अपराधिक तत्वों के द्वारा आगरा के सर्राफा व्यापारी नीरज जैन व उनके बेटे आर्यन की गाडी को सरेआम रोककर 25 किलो चाँदी एवं 2.5 लाख रू. कि नकदी लूट कर व्यापारियों को गोली मार दी, जो गंभीर रूप से घायल है। इससे साफ स्पष्ट होता है कि मुरैना में लॉ-इन-ऑर्डर पूरी तहर से ध्वस्त हो चुका है। इन सभी शर्मनाक घटनाओं के चलते शहर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष नजमा बेगम ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा एवं मुरैना तहसीलदार को बच्चियों की सुरक्षा हेतु काले कपड़े में गुड़िया भेंट की और मांग की है कि ग्रामीण एवं नगरीय निकाय चुनाव में भी भाजपा के कार्यकर्ताओं की तरह कार्य करने वाले एवं सभापति के चुनाव में पत्रकारों के साथ अभद्रता करने वाले पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को अतिशीघ्र स्थानांत्रित किया जाए। संपूर्ण मध्य प्रदेश में अगर कोई दुष्कर्म जैसी घिनौनी हरकत करता है तो उसे फांसी की सजा दी जावे, जिससे कोई भी व्यक्ति दुष्कर्म जैसी घिनौनी हरकत को अंजाम ना दे सके। इस मौके पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपक शर्मा, शहर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष नजमा बेगम, सुभाष सिंह सिकरवार, सौरभ सोलंकी, प्रवक्ता शहर जिला कांग्रेस हरीश पाठक, शशि सक्सेना आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जेठ ने बहू के अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर होटल में किया दुष्कर्म

मुरैना। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक युवती के जेठ ने पहले अश्लील वीडियो बनाए, फिर होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया, इस काम में जेठ के दोस्त ने भी साथ दिया। युवती की शिकायत पर सिविल लाइन थाने में जेठ व उसके दोस्त पर दुष्कर्म, में साथ देने जैसी धाराओं में केस दर्ज किया है। सिविल लाइन थाने में पहुंची 23 साल की युवती ने बताया कि रक्षाबंधन से 10-15 दिन पहले वह अपने मायके नूराबाद गई थी। वहीं पर उसका जेठ अपने दोस्त जयवीर जाटव के साथ नूराबाद पहुंचा और युवती को बताया कि उसके देवर का एक्सीडेंट हो गया है, घायल देवर जिला अस्पताल में भर्ती हैं। पीड़िता के अनुसार उसका जेठ और उसका दोस्त उसे नूराबाद से बाइक पर बैठाकर मुरैना जिला अस्पताल लेकर आने लगे। सैय्यद नहर के पास उसके जेठ ने बाइक रोकी और प्यास लगने की बात कहकर पानी की बोतल लेने चला गया। पानी की बोतल से युवती ने भी पानी पिया, उसके बाद वह बेहोश हो गई। युवती ने एफआइआर दर्ज कराते हुए बताया कि जब उसे होश आया तो वह नहर के पास स्थित हवेली होटल के कमरे में थी। जहां उसके जेठ और उसके दोस्त ने बेहोशी की हालत में अश्लील वीडियो बना लिए।

हरीश पाठक बने जिला शहर कॉंग्रेस प्रवक्ता

मुरैना। म.प्र. के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के आर्शीवाद से कॉंग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिये शहर जिला कॉंग्रेस के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने संगठन का विस्तार करते हुये महत्वपूर्ण दायित्व प्रदान करते हुये कॉंग्रेस के वरिष्ठ नेता, बेदाग छवि एवं निष्ठावान, कर्मठ कार्यकर्ता हरीश पाठक को शहर जिला कॉंग्रेस के प्रवक्ता के रूप में मनोनीत किया है। श्री पाठक के मनोनयन पर दिनेश गुर्जर प्रदेश किसान कॉंग्रेस अध्यक्ष, राकेश मावई विधायक, रविन्द्रसिंह भिडोसा विधायक दिमनी, अजबसिंह कुशवाह विधायक सुमावली, अशोकसिंह भदौरिया, श्रीमती शारदा राजेन्द्र सोलकी महापौर नगर निगम मुरैना, राजा डंडोतिया सभापति नगर निगम मुरैना, गौरीशंकर कुशवाह, राजेन्द्र सोलंकी, विष्णु अग्रवाल कल्लन जिला कार्यवाहक अध्यक्ष रामप्रकाश राजौरिया, प्रमोद शर्मा हुसैनपुर, सत्यपाल कुशवाह, विक्रमराज मुदगल, हरिओम राजौरिया पार्षद, विजय रामसेवक डंडौतिया पार्षद एवं अन्य सभी वरिष्ठ कॉंग्रेसजनों, गणमान्य नागरिकों ने हर्ष जताया है।

आज से सहकारी समितियों पर पहुंचेगा यूरिया, नहीं रहेगी किल्लत

मुरैना। कृभको संस्था द्वारा गुरुवार को यूरिया रेक कच्छपुरा जबलपुर रेक पॉइंट पर मंगाई गई है, जिसमें से शत-प्रतिशत मात्रा की प्रतिपूर्ति कृषक हित में मार्कफेड के आवंटन अनुसार की जाएगी। संस्था द्वारा हमेशा ही कृषक हित को प्राथमिकता दी गई है जिसके फलस्वरूप कृभको द्वारा त्वरित कार्यवाही कर इस रेक की व्यवस्था की गई है। कृषि विभाग एवं मार्कफेड के आला अधिकारियों की मौजूदगी में माल का उचित परिवहन संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जा रहा है। जबलपुर रेकपॉइंट पर कृभको कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा रैक पॉइंट पर पहुंच कर ट्रकों में यूरिया लोड कर डबल लॉक गोदामों जबलपुर में भेजा जा रहा है जिसके बाद विपणन संघ द्वारा सहकारी संस्थाओं को खाद मुहैया कराया जाएगा, जिससे किसानों को किसी प्रकार की खाद की समस्या नहीं रहेगी। आज जिले के कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी पॉइंट पर पहुंचे और ट्रक्टूरी लगाकर माल का लोडिंग कराना शुरू किया गया। कृभको कंपनी द्वारा पूरी रेक सरकारी गोदाम को जबलपुर में दी गई है।

शिक्षक संघ ने शिक्षकों की समस्याओं को लेकर शिक्षा मंत्री से की मुलाकात

मुरैना। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के प्रांतीय महामंत्री के नेतृत्व में शिक्षक संघ ने शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार को मुरैना जिले के शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया। इस अवसर पर उनके साथ अंबाह के पूर्व विधायक कमलेश सुमन ने भी समस्याएं सुनी और सहमति प्रदान की। इस मौके पर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष पवन सिंह परिहार ने भी मुरैना की समस्याएं शिक्षा मंत्री के सामने रखी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि जल्द इन समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करेंगे। श्री परिहार ने क्रमोन्नति एवं अनुकंपा नियुक्ति पर शिक्षा मंत्री से बात की तो उन्होंने बताया कि जल्द ही क्रमोन्नति के आदेश पारित करेंगे और यह खुशखबरी अध्यापकों को पूरे प्रदेश पहुंचाई जाएगी। प्रांतीय महामंत्री छत्रवीर सिंह राठौर ने शिक्षा मंत्री को बताया कि शिक्षकों की जितनी भी समस्याएं हैं, उनका जल्द से जल्द निराकरण किया जाए, जिससे शिक्षक साथियों में जो रोष व्याप्त है, वह समाप्त हो और हमारे शिक्षकों का जो मनोबल गिर रहा है वह बढ़ेगा, जिससे शिक्षक साथी अपना मन लगाकर काम करेंगे और हमारा प्रदेश नई ऊंचाइयों को छूयेगा। शिक्षा मंत्री को ज्ञापन देने में प्रांतीय महामंत्री क्षत्रवीर सिंह राठौर, अंबाह विधायक कमलेश सुमन, जिलाध्यक्ष पवन सिंह परिहार, निगम राठौर, अशोक सिंह, दीपक बघेल आदि प्रमुख थे।

डेढ़ लाख की चांदी के साथ दो चोर गिरफ्तार

मुरैना। बानमोर थाना पुलिस ने क्षेत्र से डेढ़ लाख रुपए की चांदी चोरी करने वाले दो चोरों को गिरफ्तार कर चोरी गया माल बरामद कर लिया है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशन में चोरी लूट के मामलों के निराकरण हेतु चलाई जा रही मुहिम के तहत थाना बानमोर में पंजीबद्ध अप.क्र. 367/22 धारा 457,380 का मामला दर्ज किया गया था, जिसमें अज्ञात चोर 10 दिन पूर्व फूलपुर रोड हड्डी मिल के पास स्थित पुराने देवी देवताओं के मंदिर से चांदी के 11 नग कीमती डेढ़ लाख रुपए का चोरी कर ले गए। पुलिस द्वारा की गई विवेचना में आरोपियों की पहचान प्रमोद पुत्र नरेश कुशवाह उम्र 19 साल, महेश पुत्र सोवरन सिंह कुशवाह निवासीगण बामौर के रूप में करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी गए 11 कड़े चाँदी के कीमत 1 लाख 50 हजार रुपये के जप्त किये गये। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक वीरेश सिंह कुशवाह थाना प्रभारी बामौर, सउनि एमएल गौर, किशन सिंह, प्रआर राजकुमार सिंह, प्रवेन्द्र सिंह आर. सतेन्द्र सिंह, जितेन्द्र सिंह, रविकुमार, चेतराम सिंह, विक्रम सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

मुरैना कलेक्टर के खिलाफ पत्रकारों के धरने की विधानसभा मैं गूंज

मुरैना। जिला कलेक्टर के खिलाफ 40 दिनों से चला आ रहा पत्रकारों का विरोध प्रदर्शन अब विधानसभा तक पहुँच चुका है। दिमनी विधानसभा से कांग्रेस विधायक रविन्द्र तोमर ने विधानसभा में ध्यानाकर्षण लगाकर पत्रकारों की बात रखी।

विदित हो कि नगर निगम सभापति के मतदान के दौरान कर्मचारियों के द्वारा पत्रकारो के साथ कि गयी अभद्रता के खिलाफ पत्रकार पिछले 40 दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे है। जिसमें 14 दिन से पत्रकारो का अनिश्चित कालीन धरना चल रहा है। पत्रकारो के द्वारा केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया को भी ज्ञापन दिया, पर कोई कार्यवाही नही हुई। इसके अलावा पत्रकार राज्यपाल महोदय के नाम भी ज्ञापन दे चुके है। किन्तु कलेक्टर को जैसे सरकार का संरक्षण प्राप्त है, जिसके चलते लगातार शासन की योजनाओ का सही से पालन न होने के बाद भी कलेक्टर पर कोई एक्शन नही लिया जा रहा है। आम जनता की सुनवाई न होने के चलते भी आम पब्लिक भी कलेक्टर के खिलाफ है। अब देखना यही है कि विधानसभा मे मामला उठने के बाद मुरैना कलेक्टर पर कार्यवाही होती है या नहीं।

महिला कांग्रेस ने पत्रकार आंदोलन को दिया समर्थन,दिया ज्ञापनः पत्रकारो के आंदोलन को समर्थन देते हुए महिला कांग्रेस ने मुरैना कलेक्टर के खिलाफ राज्यपाल को ज्ञापन दिया है। महिला कांग्रेस ने भी माना कि जिले की जनता कलेक्टर से त्रस्त है पर सरकार के चहेते बने कलेक्टर पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है। उनका कहना है कि जो पत्रकार आम जनता की आवाज सरकार तक पहुँचाती है, उन्हीं पत्रकारों की सुनवाई सरकार नहीं कर रही है। 40 दिनों तक विरोध प्रदर्शन के बाद भी सरकार के कानों पर जूं नही रेंग रही। इसलिए महिला कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन देकर जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग की है।

खाद की आपूर्ति बढ़ाने के लिए किसान सभा के नेतृत्व में चौथे दिन भी धरने पर बैठे किसान

कैलारस। कृषि उपज मंडी गेट के सामने किसान खाद के लिए आपूर्ति बढ़ाने, कालाबाजारी रोकने, समुचित मात्रा में डीएपी और यूरिया खाद उपलब्ध कराने, सहित बिजली गत्रे का भुगतान, कारखाने की शुरुआत, आवारा पशुओं का प्रबंधन आदि मांगों को लेकर गत 4 दिनों से धरना आंदोलन चला रहे हैं। किसान अपनी मांगों को पूरी करने के लिए अडे हुए हैं। मध्य प्रदेश किसान सभा के वरिष्ठ नेता गयाराम सिंह धाकड़ ने कहा है कि मांग पूरी होने तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा।

उन्होंने दिल्ली किसान आंदोलन का हवाला देते हुए कहा कि अंततः मोदी सरकार को किसानों के आंदोलन के सामने झुकना पड़ा और तीनों कृषि कानून वापिस लेने पड़े। इसी तरह भाजपा की प्रदेश सरकार को भी झुकना पड़ेगा और किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराने सहित उनकी अन्य मांगों को मानना ही पड़ेगा। गुरूवार को बरसते हुए पानी में भी दर्जनों किसान आंदोलन पर बैठे। धरने पर बैठने वाले प्रमुख किसान सियाराम निरारा, रामगोपाल सिंगीचोली, भरतलाल बह्मका पुरा आदि प्रमुख रहे। किसान नेताओं ने आगे आंदोलन जारी रखने का संकल्प दोहराया है।

पानी का टैंकर चोरी करने वाला बदमाश हथियार सहित पुलिस की गिरफ्त में

मुरैना। सुमावली थाना क्षेत्र में कट्टा दिखाकर पानी का टैंकर चोरी करने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पुलिस द्वारा अवैध हथियार 315 बोर का कट्टा व राउण्ड बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशन में चोरी व लूट करने वाले गिरोहों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के तहत कट्टा दिखाकर पानी का टैंकर लूट कर ले जाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि 24 सितंबर को फरियादी अरुण शर्मा ने थाना सुमावली में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा कि मैं अपने भाई भरत के साथ मनोज स्कूल के पास ग्राम सुसानी में खडे थे, वहीं पर हमारा पानी का टैंकर खड़ा था, उसी समय आरोपी व एक अन्य व्यक्ति अपने लाल कलर के महिन्द्रा डी.आई. ट्रेक्टर लेकर आए व अपने ट्रेक्टर से हमारे पानी के टैंकर को चोरी करके लेकर जाने लगे जब हम लोगों ने रोका तो आरोपी ने कट्टा निकालकर हम लोगों के ऊपर तान दिया और गोली मारने की धमकी देते हुए पानी के टेन्कर को ले गए। उक्त रिपोर्ट पर से थाना सुमावली मे अपराध क्रमाक 71/22 धारा 382 आईपीसी का पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया। 14 सितंबर बुधवार को थाना प्रभारी सुमावली उपनिरीक्षक जयपाल सिह को मुखबिर व्दारा सूचना प्राप्त हुई। उक्त प्रकरण का आरोपी पुनः बारदात करने की नियत से अवैध हथियार 315 बोर का देशी कट्टा लिये रुअर फाटक तिराहे पर घूम रहा है, सूचना पर से थाना प्रभारी सुमावली उपनिरीक्षक जयपाल सिह एव उनकी टीम व्दारा रुअर फाटक तिराहे पर से आरोपी को अवैध हथियार एक 315 बोर का देशी कट्टा व जिन्दा राउण्ड सहित पकडा। आरोपी से पुछताछ कर आरोपी के गांव रुअर मे शासकीय स्कूल के पीछे छिपाकर रखे प्रकरण मे चोरी गये पानी के टेंकर को मय ट्रेक्टर महिन्द्रा 275 लाल रंग के जप्त किया गया है। उक्त आरोपी पर पूर्व से अलग अलग थानो मे अवैध हथियार रखने, मारपीट, चोरी के कई अपराध पंजीबध्द है, जिससे चोरी के अन्य प्रकरणो मे पुछताछ की जा रही है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सुमावली उनि, जयपाल सिह, सउनि अश्वकुमार, प्रआर. रामसेवक, राजेन्द्र सिह, रामजीलाल, सतेन्द्र की अहम भूमिका रही।

शिवहरे समाज का युवक-युवती परिचय सम्मेलन 30 अक्टूबर को

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी–आपके नगर शिवपुरी म प्र में कलचुरी शिवहरे समाज द्वारा शिवपुरी के इतिहास में पहली बार समस्त हैहयवंशी क्षत्रिय कलचुरी समाज द्वारा सामूहिक युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन दिनांक 30 अक्टूबर रविवार 2022को रखा जा रहा है जिसकी तैयारियों का श्री गणेश (शुभारंभ) गत दिवस भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन चौराहे पर पहुंच कर भगवान सहस्त्रबाहु जी की पूजा अर्चना से कर दिया गया है, जिसमें मुख्य रुप से पूजन में शामिल हुए ग्वालियर से पधारे मालवा ग्रुप के चेयरमैन एवं मध्य प्रदेश सहित देश के कई राज्यों के जाने माने आवकारी ठेकेदार परम आदरणीय समाजसेवी श्रीलक्ष्मीनारायण जी शिवहरे एवं समाज के मुख्य संरक्षक आदरणीय डॉ रामकुमार जी शिवहरे ,युवा जिलाध्यक्ष भागीरथ शिवहरे इस कार्यक्रम के अध्यक्ष पवन शिवहरे जिला उपाध्यक्ष कैलाश शिवहरे कोषाध्यक्ष सीताराम जी शिवहरे मीडिया प्रवक्ता विपिन शिवहरे, दशरथ शिवहरे एवं शेरा शिवहरे आदि लोग मौजूद रहे ,इसके पश्चात लाल माटी क्षेत्र में पहुंचकर युवक-युवतियों का बायोडाटा लेकर समस्त समाज को इस कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया गया।

समाज के जिलाध्यक्ष श्री रविन्द्र शिवहरे एवं महामंत्री श्री संतोष शिवहरे हंस बिल्डिंग वालों ने संयुक्त रूप से बताया कि समाज के लिए शिवपुरी में यह कार्यक्रम पहली बार होने जा रहा है दूसरे दिन 31 अक्टूबर 2022 सोमवार को मानस भवन में समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए समाज के तीनों प्रकोष्ठ मुख्य कार्यकारिणी युवा प्रकोष्ठ एवं महिला मंडल द्वारा भगवान सहस्त्रबाहु अर्जुन जी की महाआरती के पश्चात रंगारंग कार्यक्रम भी रखे गए हैं जिसमें समाज के ही प्रतिभावान युवक युवतियां दहेज प्रथा के खिलाफ नाट्य रूप से प्रस्तुति देंगे समाज में बढ़ रही लिंगानुपात असमानता जैसे लड़कों की अपेक्षा लड़कियों की कमी एवं विवाह की सही उम्र निकल जाने व बहुत देरी से होने वाले विवाह के

मुख्य कारणों पर भी प्रकाश डालने हेतु नाट्य मंचन की तैयारियां की जा रही हैं, जिससे समाज बंधु इन समस्याओं से निजात पाने में सफल हो सकें।

भाजपा एवं कल्चुरी समाज की संयुक्त महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती सीमा शिवहरे इसके लिए लगातार तैयारियों में जुटी हुई हैं।

कार्यक्रम को अमलीजामा पहनाने के लिए पिछले रविवार को होटल युवराज में समाज की समस्त कार्यकारिणी की बैठक रखी गई जिसमें कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को उनकी अपनी अपनी जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं,

पोहरी बैराड़ क्षेत्र की जिम्मेदारी श्री मुरारी लाल जी शिवहरे बैराड़ वालों और उनकी टीम को सौंपी गई है करैरा दिनारा क्षेत्र की जिम्मेदारी संयुक्त रूप से करैरा ब्लॉक अध्यक्ष श्री बाल गोविंद शिवहरे जी एवं किशन लाल जी राय दिनारा वालों को और उनकी टीम को सौंपी गई है,

कोलारस बदरवास प्यागा क्षेत्र की जिम्मेदारी समाज के युवा प्रकोष्ठ के मुख्य संरक्षक भाई श्री मनोज शिवहरे ,कोलारस के ब्लॉक अध्यक्ष श्री विक्की शिवहरे पत्रकार श्री धीरेन्द्र शिवहरे प्रमोद (भूरा शिवहरे) एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री श्याम लाल जी शिवहरे बल्हेरा वालों एवं उनकी टीम को सौंपी गई है,

बीरा पिछोर मनपुरा पहाड़ा कोटा गोरा टीला गिर्लौदरा आदि क्षेत्र की जिम्मेदारी मास्टर जी श्री दिलीप राय साहब, मानव अधिकार मिशन के जिला अध्यक्ष श्री महेंद्र राय साहब और उनकी टीम को सौंपी गई है। शिवपुरी लोकल की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष श्री जगदीश शिवहरे मास्टर जी ,सचिव श्री किशन शिवहरे भाटी वालों सहित संगठन मंत्री श्री दिनेश शिवहरे,संगठन मंत्री श्री राधेश्याम शिवहरे,भरत शिवहरे ,दशरथ शिवहरे, हुकुम चन्द्र शिवहरे,पवन शिवहरे ठेकेदार साहब आदि ऊर्जावान पदाधिकारियों सहित समस्त कार्यकारिणी को सौंपी गई है। नरवर मगरोनी बेल्ट की जिम्मेदारी उपाध्यक्ष श्री कमलकिशोर शिवहरे (मटरेभैया) एवं राधेश्याम शिवहरे (लाला जी) एवं उनकी टीम को संयुक्त रूप से सौंपी गई है। जल्दी ही समाज की देश की जानी-मानी हस्तियों को भोपाल इंदौर राजस्थान दिल्ली एवं अन्य क्षेत्रों से बुलाने हेतु निमंत्रण पत्र भेजने एवं स्वयं जाकर निमंत्रण पत्र देने का सिलसिला भी शुरू होने जा रहा है।

एक जागरूक एवं सशक्त समाज से ही एक जागरूक एवं सशक्त देश का निर्माण होता है।

देश के प्रत्येक समाज में ऐसे कार्यक्रम होते रहना चाहिए।

लगातार शिकायत मिलने पर डॉ मुकेश शर्मा ने की छापे मार कार्यवाही

बिना डिग्री के कर रहे थे इलाज दुकान सील

रिपोर्टर–= प्रतिश अग्रवाल
पुष्पांजली टुडे

मधुसुदनगढ़–= ग्राम उकावद में बुधवार को मधुसुदनगढ़ स्वास्थ केंद्र के प्रभारी डॉक्टर मुकेश शर्मा ने अपनी टीम के साथ छापेमार कार्यवाही की। इस दौरान कथित डाक्टर कश्यप बिना डिग्री के इलाज करते मिले। उल्लेखनीय है कि ये वही डाक्टर है, जिस पर कोरोना काल के समय भी कार्यवाही की गई थी। डॉक्टर मुकेश शर्मा ने बताया कि लगातार शिकायतें मिल रही थी इसके बाद ही कार्यवाही की गई है। कश्यप नाम का यह व्यक्ति गुना वाले डॉक्टर के नाम से ऊकाबद में क्लिनिक चला रहा था। आज उसकी क्लिनिक पर जब टीम पहुची तो तथाकथित डॉक्टर के पास कोई डिग्री नही मिली। दुकान पर डाक्टर एलोपैथिक पद्धति से इलाज करता हुआ पाया गया। उसके यहां एक कार्टून उपयोग किए गए इंजेक्शन खुले हुए पाए गए। यहां तक कि ऑपरेशन में उपयोग आने वाले औजार भी पाए गए। जांच उपरांत पंचनामा बनाकर दुकान को सील किया गया आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए जांच प्रतिवेदन बनाकर पुलिस को वैधानिक कार्यवाही के लिए पुलिस को पत्र भेजा जा रहा है

गोरमी नगर परिषद में प्रधानमंत्री आवास योजना में हुई गड़बड़ी को लेकर पात्र हितग्राहियों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

संतोष सिंह भदौरिया

गोरमी /नगर परिषद के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए सर्वे कराया गया था जिसमें 259 हितग्राहियों को अपात्र किया गया वहीं 246 हितग्राहियों को पात्र बताते हुए उनके आवास मंजूर किए गए वही लोगों का आरोप है कि नगर परिषद और प्रशासनिक अधिकारी जो कि जांच में लगाए गए थे उनके द्वारा पैसे लेकर आवास मंजूर किए गए हैं और जिन लोगों ने पैसे नहीं दिए उनके आवास काटे गए हैं इसको लेकर आज 30 से 40 लोगों ने तहसील कार्यालय पर पहुंचकर रणवीर परमार के नेतृत्व में नायब तहसीलदार आशीष अग्रवाल को एक ज्ञापन दिया जिसमें उन्होंने सभी आवासों की पुनः जांच और जिन कर्मचारियों या अधिकारियों के द्वारा जांच की गई थी उनके

खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा और कहा के आगे हम एसडीएम और कलेक्टर को भी ज्ञापन सौंपेंगे लोगों का कहना है की नगर परिषद कर्मचारी और पटवारियों के द्वारा पैसे लेकर आवास मंजूर किए गए हैं जिन लोगों की ड्यूटी आवास में लगाई गई थी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए ज्ञापन देने वालों में रणवीर परमार सोनू यादव धर्मवीर भागीरथ पान सिंह महेश गया प्रसाद आशिक भूरे रणवीर परमार राजेश मिश्रा शंकर शाक्य ,एवं अन्य लोग मौजूद रहे

डोंडरी सरपंच सुरेश सिंह तोमर बने सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष।

पुष्पांजली टुडे

मुरैना– मुरैना जिले के पोरसा तहसील अंतर्गत आज सरपंच संघ की एक बैठक डॉक्टर कडाका बटिका में सम्पन्न हुई, जिसमें जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह तोमर ने सबकी सहमति से डोडरी के सरपंच सुरेश सिंह तोमर को ब्लॉक अध्यक्ष घोषित किया साथ ही सभी ने पुष्प माला पहनाकर शुभकामनाये भी दी, आपको बता दे कि आज कडाका बाटिका में सरपंच संघ की एक बैठक आयोजित की गई थी जिसमें सभी नवनिर्वाचित 53 पंचायतों के सरपंच उपस्थित थे, इसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह तोमर मौजूद थे, इस बैठक में डोडरी सरपंच सुरेश सिंह तोमर के साथ साथ भूरे सिंह तोमर तरस्मा,रघुवीर सिंह भदोरिया शिकहरा ,भान सिंह चापक, मनीषा

राजकुमार कीचौल,भानुबती राज किशोर बघेल रजौधा,राखीभूपेंद्र सिंह तोमर भदावली ,सिवाकर सिंह तोमर रछेड, राम सखी विष्णु दत्त शर्मा हिंगावली, प्रिया दिलीप सिंह तोमर लालपुरा ,रामसेवक सिंह रूहर, बैकुंठी बाई खड़िया, मुन्नी बाई रैपुरा,नीरज कुमारी खोयला, बालवीर सिंह कुशवाह बुधारा, नीतू सज्जन सिंह सेथरा अहीर, दिनेश सिंह तोमर कसमडा, गणेश सिंह तोमर श्यामपुर कला के साथ साथ अन्य सरपंच भी मौजूद रहे साथ ही सभी सरपंचों ने अपनी अपनी समस्याएं भी मंच पर सबके सामने रखी।

गोरमी नगर परिषद के द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ा घोलमाल

संतोष सिंह भदौरिया पुष्पांजली टुडे

गोरमी/ नगर परिषद के द्वारा आवास में बड़ा ही घोलमाल किया गया नगर परिषद के द्वारा जो लोग पात्र की श्रिडी में आते थे उन लोगों का आवास निरस्त किया गया वहीं जिन लोगों के पक्के मकान बने हुए हैं उन लोगों के आवास मंजूर किए गए हैं जिसको

लेकर अपात्र लोगों द्वारा नगर परिषद में आवेदन भी दिए गए हैं उन्हीं लोगों का कहना है कि बिना मकान के ही उसमें लिख दिया गया है कि इनका मकान बना हुआ है और की जमीन है उस पर लिख दिया गया है कि जमीन नहीं है बिना जांच के लिए प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा आवास निरस्त किए गए हैं और मंजूर किए गए हैं इसमें नगर परिषद गोरमी की बड़ी लापरवाही देखने को मिली है इस बारे में जब नगर परिषद अधिकारियों से बात की गई तू सब गोलमाल जवाब देती हुई नजर आई पटवारी से बात हुई तो उसने बताया कि नगर परिषद के अधिकारियों के द्वारा जांच की गई थी वही नगर परिषद की जिन कर्मचारियों की आवास योजना में ड्यूटी लगाई गई थी वह भी जवाब देने से मुंह छुपा रहे हैं ज्ञापन देने वालो के नाम धर्मवीर सिंह नीतू यादव पानसिंह आदि उपस्थित रहे ह्य

एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या में उमडा जन सैलाब

पुष्पांजली टुडे
बैगलुरू –श्री मातेश्वरी भक्त मंडल ट्रस्ट एवं श्री कृष्णा गौ सेवा आश्रम गौशाला होसूर भण्डे परिसर में एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन माता जी के परम भक्त एवं गौ रक्षक गुरुदेव पुखराज महाराज के सानिध्य में बुधवार को आयोजन हुआ। भजन संध्या के अनुरूप आईमाता के समक्ष दीप प्रज्वलित कर भजन संध्या की शुरुआत हुई। भजन गायक कलाकार गौरत्न राष्ट्रवादी डॉ.ओमजी मुंडेल डिगरना कैलाश पंवार एवं समूह ने गणेश वंदना से शुरू करते हुए राजस्थानी मायड़ भाषा में लोक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं? को भजनों से मनमोहित

कर दिया। इस अवसर पर गौ भक्त स्वामी पुखराज महाराज ने अपने प्रवचन के साथ समस्त कलाकारों को मोमेंटो माला और साफा से स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत का सम्मान किया गया । मोमेंटो के लाभार्थी गोरधनलाल कुमावत, बलेपेट वडेर के अध्यक्ष शोभाराम चोयल, एस.एस.आर.ले आट वडेर के अध्यक्ष

फाऊलाल परिहारिया, नरेन्द्र गोयल, फतेहचन्द भोमावत, सज्जनराज साँखला, राजेश देसरला, सुरेश घोड़ला प्रजापत, पुसाराम माली, सुरेश सैणचा, दिनेश विशनोई, नारायणलाल सोंलकी, माणक परिहार, बाबुलाल परिहार, मुलाराम सीरवी,भुपेंद्र प्रजापत, मुकेश जाट, जीवाराम सीरवी, अमराराम सोनपुरा,रामचंद्र छाजेड़, जुगराज सोंलकी,अशोक कन्नूर, हापूराम माली, देवाराम, भंवरलाल परिहार एवं संत भंवर महाराज ,संत सत्यप्रकाश महाराज का स्वागत किया गया । संपूर्ण भजन संध्या का मंच संचालन मोहनलाल सीरवी ने किया। श्रोताओं ने महाप्रसाद ग्रहण की। इस शुभ अवसर पर मातेश्वरी भक्त मंडल के सभी सदस्य एवं सर्व समाज 36 कॉम के गणमान्य सदस्य भी उपस्थित थे

सेवड़ा पहुंचे परम पूज्य महामंडलेश्वर स्वामी संतोसानंद सरस्वती बैंड बाजों के साथ फूल माला से हुआ जोरदार स्वागत

समाजसेवी श्याम ठाकुर के जन्मदिवस पर वृद्धजनों का हुआ सम्मान

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

दतिया । परम पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर संतोशानंद सरस्वती सेवड़ा पहुंचे सेवड़ा आगमन पर समाज सेवा टीम के संरक्षक श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में उनका जोरदार स्वागत व सम्मान किया गया आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ युवा नेता एवं समाज सेवा टीम के संरक्षक श्यामू ठाकुर का जन्म दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ बड़े बाबा के मंदिर सेवड़ा पर मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में परम पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर संतोसानंद सरस्वती जी उपस्थित हुए और वहां पर उन्होंने समाजसेवी श्यामू ठाकुर के जन्मदिवस पर उन्हें आशीर्वाद दिया इस अवसर पर सेवड़ा पूर्व एसडीओपी उपेंद्र दीक्षित सहित कई वृद्धजन एवं सम्मानीय नागरिक उपस्थित रहे और उन्होंने भी वहां पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया परम पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर महाराज ने वहां पर उपस्थित सभी सम्मानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि वृद्धजन अपने जीवन भर के अनुभवों को हम सबके बीच रखकर हमें जीने का रास्ता बताते हैं उनसे सीखने की जाने की प्रवृत्ति रखने वाले लोग निश्चित तौर पर अपने

लक्ष्य को प्राप्त सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं हम समय-समय पर उनके साथ बैठ व् उनको समय दें व उनका सम्मान रखें तो हमें प्रभु का आशीर्वाद अवश्य मिलता है उन्होंने यह वक्तव्य श्यामू ठाकुर के जन्मदिवस पर वृद्ध जनों का हुआ सम्मान समारोह के अवसर पर कहेंद्य वही सेवड़ा पूर्व एसडीओपी उपेंद्र दीक्षित ने भी सम्मानीय नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यक्रम का आयोजन समाज सेवा टीम के द्वारा किया गया जो बहुत ही सराहनीय कार्य है क्योंकि समाज सेवा टीम के संरक्षक श्यामू ठाकुर के जन्म दिवस के उपलक्ष में कई सम्मानीय नागरिकों एवं वृद्ध जनों साधु संतों का सम्मान साल एवं श्रीफल से किया गया यह हमारे लिए एक संदेश है सभी को अपना जन्म दिवस ऐसे ही बड़े ही हर्षोल्लास एवं सेवा भाव के साथ मनाना चाहिए , उपस्थित सभी जनों, बड़े बुजुर्गों माता बहनों बच्चों ने बड़े ही स्नेह से श्री ठाकुर को जन्मदिन की शुभकामना दी एव सभी ने भोजन ग्रहण किया ! भारतीय जनता पार्टी के नेता कालीचरण कुशवाह समाज सेवा टीम के संयोजक राहुल चौरसिया सहित कई नागरिकों ने भी संबोधित किया आभार प्रदर्शन समाज सेवा टीम के संरक्षक श्यामू ठाकुर द्वारा किया गया उपस्थित जन डॉक्टर नीरज शर्मा रमाशंकर नगरिया बबलू चौरसिया संजू दीक्षित विनोद गुप्ता 11वाले संजय शर्मा मातादीन जाटव राज पाटवा सुमित चौरसिया गोलू बाथम सुनील राठौर रवि सोनी पहलाद कुशवाहा गोपाल कुशवाहा प्रकाश चौरसिया अखिलेश सोनी रामेश्वर सोनी डॉक्टर कामिनी मैडम भूरे चौधरी संतोष शर्मा हेमंत अग्रवाल गुप्ता ठाकुर संतोष विश्वकर्मा उत्तम शर्मा रामस्वरूप मित्तल रामस्वरूप खाकेट सीताराम खाकेट जयेंद्र सिंह सेंगर आसाराम गुप्ता मैथिली तोशामी मिम्मी पटवा कुन्नू खरे मुकेश मोदी केपी मोदी किशन सिंह बंगरा गोविंदादास झा रघुवीर प्रजापति अजय चौरसिया इंदरगढ़ धीरज रजक जॉन मूर्तिकार राम गोपाल साहू इंदरगढ़ टीडी साहू नितिन दांतरे भूषण यादव राजेंद्र सिंह गौर विशाल चौहान रामखिलौना शिवहरे राजकुमार माहेश्वरी संतोष चौबे आलोक अग्रवाल मनोज मोदी भोले चौरसिया लहार आकाश शर्मा अंकित गुप्ता सलमान खान साजिद खान नासिर पठान इरफान खान इमरान खान नासिर पठान रामकिशोर विश्वकर्मा नेतराम विश्वकर्मा सहित सैकड़ों की संख्या में शहर जन ऊपस्थित रहे

बेटियां घर की शान होती हैं, बेटियों से ही घर बनता है - श्रीमती नेहा यादव

पीसीपीएनडीटी विषय पर बेटियों के ज्ञानवर्धन हेतु संगोष्ठी आयोजित

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- बेटियां घर की शान होती हैं। बेटियों से ही घर बनता है। आज स्थिति यह है कि बेटों से ज्यादा लायक बेटियां हैं। यह बात मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव ने पीसीपीएनडीटी विषय पर बेटियों के ज्ञानवर्धन हेतु आयोजित संगोष्ठी में कही।

शासकीय कन्या महाविद्यालय शिवपुरी में आयोजित संगोष्ठी में अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा, पीसीपीएनडीटी जिला सलाहकार समिति के सदस्य आलोक एम इंदौरिया, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन, शासकीय कन्या महाविद्यालय शिवपुरी के प्राचार्य सहित पीसीपीएनडीटी जिला सलाहकार समिति के अन्य सदस्यगण एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव ने कहा कि बेटी को समाज में एक तरफ देवी का रूप माना जाता है। इसके बावजूद कई बार उससे जन्म लेने का अधिकार छीन लिया जाता है। जागरूकता से ही इस बुराई का अंत किया जा सकता है। माता-पिता को बेटे-बेटी में फर्क नहीं समझना चाहिए। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से आवश्यक प्रश्न भी पूछे, छात्राओं द्वारा उन प्रश्नों को उत्तर भी दिए। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों के बढ़ने का एक कारण महिलाओं का जागरूक नहीं होना भी है। कई परिवारों में बेटियों की शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया जाता। समाज में बेटियों को समानता का अधिकार मिलना चाहिए। इसमें शिक्षा की अहम भूमिका हो सकती है। इसके साथ ही हमें समाज की मानसिकता को भी बदलने की जरूरत है।

पीसीपीएनडीटी जिला सलाहकार समिति के सदस्य आलोक एम इंदौरिया ने कहा कि कन्या भ्रूण हत्या हमारे समाज के लिए कलंक है। हमें इस सामाजिक बुराई के खिलाफ जंग लड़नी होगी। इसके लिए सरकार ने पीसीपीएनडीटी एक्ट बनाया है। जिले में भ्रूण लिंग परीक्षण रोकने और लिंगानुपात में सुधार करने के लिए सभी के प्रयास जरूरी हैं। उन्होंने छात्राओं को लिंगानुपात के संबंध भी आवश्यक जानकारी दी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पवन जैन ने उपस्थित बालिकाओं से कहा कि कन्या भ्रूण हत्या को रोकने के लिए हमें जिले में लिंगानुपात में सुधार करने के लिए प्रयास करना होगा। हम सभी को आमजन को इस प्रकार से जागरूक करना होगा कि प्रसव से पहले गर्भ में बच्चे का लिंग परीक्षण कराना और कन्या भ्रूण हत्या कानूनी अपराध है। इसके लिए सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही अन्य सदस्यगणों द्वारा अपने विचार प्रस्तुत किए।श्रीमती नेहा यादव जिला पंचायत अध्यक्ष एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में पौधारोपण भी किया गया द्य इस अवसर पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया जिसमें कन्या महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा 20 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान किया गया।

दबोह नगर परिषद समिति की पहली बैठक आयोजित

कई निर्माण कार्यो को मिली मंजूरी

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर परिषद के नव निर्वाचित सदस्यों की गुरुवार को पहली बैठक अयोजित की गई।जिसमें नगर में कई निर्माण कार्यो को मंजूरी मिली।गुरुवार को दबोह नगर परिषद की सभाग्रह में नवनिर्वाचित पार्षदो की पहली बैठक रखी गई थी।जिसमे करीब 29 बिंदुओं बाले एजेंडे को पटल पर रखा गया था।सबसे पहले नगर परिषद उपाध्यक्ष हाकिम चौधरी ने एजेंडे को पटल पर रखा।इसके पश्चात एक एक बिंदु पर चर्चा की गई।जिसे कांग्रेस के सभी सदस्यों ने अपनी मंजूरी दी।इस एजेंडे में नगर के सबसे महत्वपूर्ण कार्य मुक्तिधाम का निरीक्षण कर उसे अतिशीघ्र बनबाने का विशेष रूप से निर्णय लिया गया।वहीं एजेंडा के अनुसार नगर के वार्डो की गलियों में सीसी रोड का निर्माण,नगर की विधुत व्यवस्था के लिए पोल लगबाने के साथ साथ प्रधानमंत्री आवास में अपात्र हितग्राहियों की पुनः जांच प्रमुख हैं।गुरुवार को हुई नप की पहली बैठक में चर्चा के दौरान बार्ड 9 के भाजपा पार्षद लालता कुशबाह ने अपनी बार्ड की समस्या रखी तो उपाध्यक्ष ने उसे अगली बैठक में शामिल करने की बात कही गई।

बैठक में एजेंडा के यह थे 29 बिन्दु

1-अस्थाई श्रमिको की समयावधि बढ़ाने के सम्बंध में।
2-वार्ड 01 से 15 तक विधुत पोल लगवाये जाना।
3-बली साहब से कब्रिस्तान व श्मशान घाट तक सीसी रोड निर्माण।
4-वार्ड 15 में शमशाम घाट का निर्माण कराए जाने व पुराने श्मशान घाट के लिए रास्ता व सीसी रोड का निर्माण।
5-नगर में वर्षो से बन्द पड़ी पशु हाट को पुनः लगाया जाना।
6-कोंच रोड तिराहे से आवास ग्रह पम्प हाउस तक विधुत पोल शिफ्टिंग।
8-विभिन्न वार्डो में मिट्टी/डस्ट/गिट्टी/जीएसबी भराव कार्य।
9-निकाय की विभिन्न वार्डो में लोहे की जाली चैनल लगवाये जाना।
10-निकाय के क्षेत्रान्तर्गत तीन जगह सार्वजनिक पेशाब घर बनबाना।
11-वार्ड 01, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 09, 10, 11, 12, 13, 14 व 15 में सीसी रोड व नाली निर्माण कार्य कराए जाना आदि प्रमुख बिन्दु रहे।

भारतीय संस्कृति व संस्कार की भाषा है हिन्दी-महेंद्र मुणोत

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलूरु = हिन्दी भाषा सिर्फ परम्परा ही नहीं , भारतीय संस्कृति एवं संस्कार की भाषा है । यह बात क्रिस्तु जयंती महाविद्यालय के नारायणपुरा , कोत्तनूर में हिंदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने कही । उन्होंने वर्तमान समय में हिन्दी भाषा के महत्व और हिन्दी में रोजगार की दशा और दिशा पर भी प्रकाश डाला । इस मौके पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के तहत पाठ्यक्रम के तहत 14 पाठ्य पुस्तकों का भी लोकार्पण हुआ । इस मौके पर 1500 से अधिक हिन्दी भित्तिचित्र भी प्रदर्शित किए गए । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे क्रिस्तु जंयती महाविद्यालय के रेवरेंड फॉदर जैस वी . थॉमस ने संपर्क भाषा के तौर पर हिन्दी की महत्ता और भूमिका को रेखांकित किया । हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ . श्रीधर पी.डी. ने हिन्दी दिवस की महत्ता पर प्रकाश डाला । मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ गोपा कुमार और समाज शास्त्र व भाषा विभाग के संयोजक डॉ कावेरी स्वामी ने भी विचार व्यक्त किए ।

साकदडा में पोषण माह दिवस ?मनाया गया

पुष्पांजलि टुडे पाली

राजस्थान पाली। साकदडा ग्राम पंचायत स्तर पर पोषण माह दिवस मनाया गया। इस दरमियान ग्राम पंचायत सरपंच ? धीरज देवासी के अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ संपन्न। ?पोषण माह दिवस कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत के अधीन आंगनवाड़ी कार्मिक कार्यकर्ता दशरथकवर रुकमणी वैष्णव ओमकवर पुरणकवर दिपिका चारण कविता मीणा ?रेखाकवर ?दरियादेवी ए एन एम ?पिकु?मीणा सभी ग्रामीण लोग मोजुद थे

छटनी की परमीशन लेकर काट दिया 5 दशक पुराना पेड़

स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों की जागरूकता ने अन्य 5 पेड़ कटने से बचे

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। बुधवार को एक निर्ममता की पराकाष्ठा की तस्वीर सामने आई। जिसमें चेतकपुरी स्थित रामजानकी मंदिर में नगर निगम के उद्यान विभाग से छटनी की परमिशन लेकर 5 दशक पुराने हरा भरा आम का वृक्ष मंदिर कमेटी द्वारा कटबा दिया गया। जैसे ही यह जानकारी स्थानीय पर्यावरण प्रेमी शिवेंद्र सिंह सोलंकी व अन्य को प्राप्त हुई। उन्होंने मौके पर पहुंचकर पेड़ काटने की कार्रवाई बन्द करवाई। जिससे चार से पांच दशक पुराने 5 पेड़ कटने से बच गए। पर्यावरण प्रेमियों ने निगम कर्मचारियों को सूचना देकर स्थल पंचनामा बनबाया। जिसमें निगम कर्मचारियों ने हरा भरा आम का पेड़ काटने की पुष्टि की। और मध्यप्रदेश वृक्ष अधिनियम 2001 के अनुसार पेड़ की छटाई की परमिशन पर कटाई की कार्रवाई नियम विरुद्ध मानी। पूरे मामले को आगामी कार्यवाही हेतु प्रेषित किया। अब सवाल यह उठता है कि बार-बार पेड़ों को विकास के नाम पर काटने का दुस्साहस सरकार और जनता द्वारा क्यों किया जाता है ? वह भी उस दौर में जब कोरोना काल में इन पेड़ों से मिलने वाली प्राणवायु का महत्व हम सब ने समझा। क्यों इन पर्यावरण अपराधियों के विरुद्ध सशक्त कार्यवाही नहीं होती ? जिससे इस तरह का कुकत्य करने के बारे में लोग सोच ही नहीं पाए।

हमारे द्वारा पेड़ नही काटा गया है। नगर निगम से हमने पेड़ की छटनी करने के लिए 100 रूपये की पर्ची कटवाई थी। नगर निगम के कर्मचारियों ने ही पेड़ काटा है।

नीलकमल महेश्वरी,
अध्यक्ष, मंदिर कमेटी
9425745455

जैसे ही हमें पेड़ काटने की सूचना मिली हम स्थानीय निवासियों ने पेड़ काटे जाने का विरोध किया है। निगम अधिकारियों को सूचना देकर पंचनामा बन गया है। और मंदिर की कथाकथित कमेटी की प्राथमिकी भी स्थानीय पर्यावरण प्रेमियों द्वारा कराई जा रही है।

शिवेंद्र सिंह सोलंकी
पर्यावरण प्रेमी, स्थानीय निवासी
7489393577

दशको पुराने वृक्षों को लगातार सरकारी विभाग व आम नागरिकों द्वारा निर्ममता से काटा जाता रहा है। विरोध करने पर कटाई जब रूकती है, तब एक-दो पेड़ काट दिए जाते हैं। अतः पेड़ों की कटाई किसी भी कीमत पर नहीं की जानी चाहिए। समस्या का स्थाई समाधान निकालना होगा।

राज चड्ढा
संयोजक, दाना पानी फॉर बर्ड्स

कांग्रेस पार्टी ने समस्याओं को लेकर दिया ज्ञापन

पुष्पांजली टुडे गोहदद्वक्षेत्र में फैली समस्याओं को लेकर कांग्रेस पार्टी ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा है जिसमें निम्न समस्याओं का निराकरण करने की मांग की है जिसमें गोहद शहरी एवं ग्रामीण में अघोशित विद्युत कटोती से लोगों का जीना मुहाल है। बड़े हुये विजली विल कम कराने के लिये लोगों को भिण्ड जिला मुख्यालय पर जाना पड रहा है। यह अधिकार पुनः विजली विभाग के स्थानीय अधिकारियों को दिया जाये। ÷शासन के दावे अनुसार पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध होना बताया जा रहा है उसके वावजूद भी खाद की किल्लत विकराल रूप से बनी हुई है। खाद मार्केट सुसायटी एवं दुकानदारों द्वारा ब्लेक किया जा रहा है . सिचाई विभाग द्वारा विगत तीन वर्षो में नहरों की साफ सफाई के लिये लाखों रूपये खर्च होना बताया जाता है। लेकिन जमीनी स्तर पर नहरों की सफाई नहीं की जाती है। पिछले वर्ष जन सहयोग से गोहद बांध की खुदाई का रूपया भी गलत स्टीमेट तैयार कराकर कार्यपालन यंत्री एवं एस.डी.ओ. द्वारा निकाला गया जिसकी विभागीय जांच कराई जावे। भिण्ड जिले में पोषण आहार घोटाले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाये।बंद पडी नल-जल योजनाओं को कागजी रूप में चालू वताना पी.एच.ई. विभाग के अधिकारियों द्वारा लाखों रूपये का घपला किया गया है। जिसकी जांच कराई जावे। उक्त मागों का सात दिवस के अन्दर उचित एवं प्रभावी निराकरण किया न होने पर कांग्रेस पार्टी द्वारा आंदोलन की चेतावनी दी है जिसमें मुख्य रूप से गणेश राम शर्मा संजू तोमर भारत सिंह गुर्जर बृजेंद्र यादव राम जी गुर्जर राजू गुर्जर रमजानी खान कैलाश माहोर ओमी माहौर बंटी गुर्जर बॉबी जर्मन डीपी खन्ना डॉक्टरशिवचरण जयंत विजय निगम प्रमोद शुक्ला मुन्नेश शर्मा कृष्ण गोपाल शर्मा सुजान गुर्जर लालबहादुर जादौन देवव्रत चौधरी पिंकी उच्चडिया राहुल उपाध्याय जीतू कैलाश जाटव फिरोज स्या राघवेंद्र राजोरिया महेश दुबे कैलाश जाटव नरेश तोमर अभिलाख तोमर अजमत अली बंटी राणा विकास कांकर सुजान गुर्जर बल्लू खान संजय रावत रवि कुशवाह आदि लोग मौजूद रहे

ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक का हुआ समापन

पुष्पांजलि टुडे पाली राजस्थान

रानी पाली। चाचोडी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित चार दिवसीय ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल कूद प्रतियोगिता का हुआ समापन। चार दिवसीय ग्रामीण ओलंपिक खेल के दौरान ब्लॉक के विभिन्न स्थानों से आए खिलाड़ियों ने जलवे दिखाए। प्रधानाचार्य मांगीलाल चौहान ने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान ग्रामीणों का शानदार सहयोग रहा। चाचोडी के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में रंगारंग भव्य समापन कार्यक्रम के दौरान सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत बालश्रम बोर्ड भारत सरकार पूर्व उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह राजपुरोहित खोड भाजपा मंडल अध्यक्ष हुकुम सिंह खरोकडा जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि मुकेश सीरवी जिला परिषद पूर्व सदस्य नंद किशोर परिहार सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित समाजसेवी सोहन सिंह राजपुरोहित भोपाजी चाचोडी ग्राम पंचायत पूर्व सरपंच मखनाराम सीरवी पूर्व सरपंच पिरा राम देवासी मांडल सरपंच सुरा राम माली आदि मौजूद रहे

प्रकृति प्रेमी करेंगे अनिश्चितकालीन धरना

ग्वालियर। नगर निगम उद्यान विभाग की मिलीभगत से एक के बाद एक सैकड़ों वृक्षों की निर्ममता पूर्वक कटाई मानव हत्या के समान निंदनीय है यह बात प्रकृति प्रेमी दानापानी फॉर बर्ड्स के संयोजक राज चड्ढा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया। श्री चड्ढा ने बताया अनेक बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी नगर निगम आंखें बंद कर बैठा है और दोषियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है। इससे क्षुब्ध होकर मैं राज चड्ढा अनेक प्रकृति प्रेमियों के साथ आगामी 19 सितंबर, सोमवार, दोपहर 12 बजे से सिटी सेंटर स्थित नगर निगम आयुक्त के कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने की घोषणा करता हूं। नगर के समस्त पर्यावरण प्रेमियों एवं संस्थाओं से अपने बच्चों के भविष्य के लिए आंदोलन में भाग लेने का अनुरोध करता हूं।

स्वतंत्रता प्राप्ति के इन 75 वर्षों में लगभग 55 वर्षों तक पंच से लेकर पार्लियामेंट तक कांग्रेस का कब्जा रहा। अपने शासन के इन वर्षों में कांग्रेस ने जनजाति समूहों को उनके संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा क्यों?

ब्यूरो चीफ अश्वनी अवस्थी

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ आदिवासी नेता नंदकुमार साय, प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम उसेंडी, जनजाति मोर्चा अध्यक्ष विकास मरकाम, प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर, पिंकी शाह, एमडी ठाकुर, झगेश्वर ध्रुव ने राज्य के 12 जाति समूहों की अनुसूचित जनजाति में शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस उपलब्धि के लिए इन जाति समूहों को बधाई दी तथा इन जाति समूहों को मामूली तकनीकि त्रुटियों के कारण आदिवासी हितलाभ से वंचित रखे जाने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल झूठी वाहवाही लूटने की बीमारी से पीड़ित हैं। केंद्र सरकार के हर अच्छे निर्णय के लिए अपनी पीठ थपथपा लेते हैं। अब केंद्र सरकार ने भाजपा की पहल पर छत्तीसगढ़ के एक दर्जन जाति समुदाय को उनका वह अधिकार दिया है, जो कांग्रेस मिलने नहीं दे रही थी, तब भी भूपेश बघेल इसका जबरिया श्रेय लेने की प्रवृत्ति दिखाने से नहीं चूक रहे हैं। वे कह रहे हैं कि उन्होंने चिट्ठी लिखी थी। कमाल की बात है कि उनकी एक चिट्ठी पर छत्तीसगढ़ के वंचित जनजाति समूहों को प्रधानमंत्री ने वाजिब हक दे दिया। भूपेश बघेल उस समय कहां थे, जब मां बेटे की सरकार चल रही थी। तब डॉ मनमोहन सिंह को चिट्ठी लिखकर क्यों इन जनजातियों को उनका अधिकार नहीं दिला दिया? भूपेश बघेल को मुफ्त में यश लूटने की कोशिश करने की बजाय इन आदिवासियों से माफी मांगनी चाहिए कि कांग्रेस ने उन्हें उनके मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा। दशकों तक इनका शोषण किया। अगर ऐसा नहीं होता तो अब तक ये काफी विकसित हो चुके होते। कांग्रेस केवल वोट बैंक की राजनीति करती है। कांग्रेस आदिवासी समाज का शोषण करती रही है और भाजपा आदिवासी समाज के हितों की रक्षा करना और सम्मान देना जानती है। ये वही भूपेश बघेल हैं जो आदिवासी राष्ट्रपति नहीं चाहते थे। ये वही कांग्रेस है जो आदिवासी महिला राष्ट्रपति को राष्ट्रपत्नी कहकर आदिवासी समाज का अपमान करती है। भाजपा नेताओं ने कहा कि भूपेश बघेल बतायें कि चिट्ठी लिखने के अलावा उन्होंने और क्या कुछ किया है? क्या कभी प्रधानमंत्री से मिलकर इन जनजातियों को उनका अधिकार देने आग्रह किया? वे बतायें कि कांग्रेस के किस प्रतिनिधिमंडल ने कभी प्रधानमंत्री से कोई भेंट की? भूपेश बघेल तो हर बात पर चिट्ठी लिख देते हैं लेकिन उनका कच्चा चिट्ठा यह है कि वे पेसा कानून का मसौदा बदलकर आदिवासी समाज से छल कर रहे हैं।

भाजपा ने छत्तीसगढ़ के 12 जाति समूहों को अनुसूचित जनजाति में शामिल किये जाने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2020 में भाजपा सांसदों और नेताओं के प्रतिनिधि मंडल ने प्रधानमंत्री एवं विभागीय मंत्री से मुलाकात कर इन जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग के साथ ही तथ्यों से अवगत करा दिया था। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद अरूण साव जी, केन्द्रीय राज्य मंत्री श्रीमती रेणुका सिंह जी, सांसद गोमती साय जी तथा छत्तीसगढ़ जनजाति समुदाय के भारतीय जनता पार्टी के सभी नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा से भेंट और पत्राचार के माध्यम से प्रयास किये। भाजपा के आदिवासी नेता लगातार प्रयास करते रहे। श्री साय ने कहा कि उन्होंने भी सभी भाजपा नेताओं के साथ प्रयास किया। हम लोगों के आग्रह को प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने स्वीकार किया। कांग्रेस की निर्लज्ज सरकार ने आदिवासियों को छलने के बाद फरवरी 2021 की चिट्ठी का जिक्र करते हुए बेशर्मी से श्रेय लेने का प्रयास किया है। उन्होंने यह बताना चाहा कि भयंकर कोरोना काल के पहली लहर के बाद 2020 में ही प्रदेश के भाजपा नेताओं का प्रतिनिधि मंडल केन्द्रीय मंत्री श्री अर्जून मूंडा से भेंट किया था।

इक्यूवेशन सेंटर बनाकर ग्वालियर को बनायेंगे औद्योगिक हब - मुख्यमंत्री श्री चौहान

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर घोषणा की कि ग्वालियर का औद्योगिक वैभव फिर से लौटायेंगे। इक्यूवेशन सेंटर का निर्माण कर ग्वालियर को फिर से औद्योगिक हब बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि ग्वालियर तेज गति से बढ़ता हुआ शहर है। यहाँ पर आद्योगिक निवेश के साथ-साथ पर्यटन, मेडीकल व इलेक्ट्रोनिक हब बनाने का काम भी किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा प्रदेश सरकार इस बात के लिये कटिबद्ध है कि हमारे युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें। साथ ही कहा कि सरकार एक साल के भीतर एक लाख भर्ती करने जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आगरा एक्सप्रेस-वे व चंबल एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर औद्योगिक धंधे स्थापित होंगे, जिससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

रॉक्सीपुल से महाराज बाड़ा तक बनेगा फ्लाई ओवर - मुख्यमंत्री श्री चौहान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ग्वालियर शहर को आधुनिक शहर बनाने की बड़ी में रॉक्सी पुल से महाराज बाड़ा तक और हजीरा क्षेत्र में फ्लाई ओवर बनाए जायेंगे। उन्होंने कहा कि एलीवेटेड रोड के द्वितीय चरण के काम और फूलबाग से किले तक के रोप वे के निर्माण में भी राज्य सरकार हर संभव सहयोग करेगी।

प्रदेश सरकार किसानों को डिफॉल्टर नहीं रहने देगी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने इस अवसर पर यह भी कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिये कटिबद्ध है। सरकार किसानों को डिफॉल्टर नहीं रहने देगी। किसानों के कर्ज का ब्याज सरकार द्वारा भरा जायेगा।

उत्कृष्ट सड़कों के निर्माण से देश की तस्वीर व तकदीर बदल रही है - केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर

केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि देश में उत्कृष्ट सड़कें व अधोसंरचना का निर्माण हो रहा है, इससे देश की तस्वीर व तकदीर बदल रही है। उन्होंने कहा वर्ष 2014 से पहले जहाँ प्रतिदिन मात्र तीन किलोमीटर हाईवे का निर्माण होता था, वहीं अब 38 किलोमीटर हाईवे का निर्माण प्रतिदिन किया जा रहा है। एक्सप्रेस-वे व सड़क कोरीडोर के निर्माण से देश के विकास में तेजी आई है। उन्होंने कहा देश के अधोसंरचनागत विकास में केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी का बहुत बड़ा योगदान है। श्री तोमर ने इस अवसर पर ग्वालियर-भिण्ड-इटावा-लखनऊ मार्ग को 6 मार्गीय बनाने, एक्सप्रेस-वे के किनारे लॉजिस्टिक पार्क का निर्माण, एलीवेटेड रोड़ का द्वितीय चरण, मुरैना-सबलगढ़-पाली तक नेशनल हाईवे का निर्माण और मुरैना में बैरियर चौराहे से रेलवे स्टेशन तक फ्लाईओवर बनाने की मांग रखीं, इनमें से अधिकांश मांगों को केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी ने पूरा करने की कार्यक्रम में घोषणा की।

केन्द्र व राज्य सरकार के साझा प्रयासों से ग्वालियर को आधुनिक शहर बनायेंगे - केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

केन्द्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकारों के साझा प्रयासों से ग्वालियर को ऐसा आधुनिक शहर बनायेंगे, जिससे शहर में अगले 50 सालो तक बुनियादी सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने एलीवेटेड रोड़ सहित ग्वालियर को अन्य सौगातें देने के लिये केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी के प्रति आभार जताया। साथ ही लॉजिस्टिक पार्क, एलीवेटेड रोड़ के द्वितीय चरण का काम सहित ग्वालियर शहर के अन्य विकास कार्यों की मांग रखी, जिसे केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री गड़करी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

ग्वालियर को औद्योगिक हब बनाने के लिए ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने किया आग्रह

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर को विकास की बड़ी-बड़ी सौगातें देने के लिये मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं केन्द्रीय मंत्रिगणों के प्रति आभार जताया। साथ ही मांग की कि युवाओं के चेहरे पर चमक लाने के लिये ग्वालियर को फिर से औद्योगिक हब बनाया जाए। उन्होंने जेसीमिल के शेष श्रमिकों को भी पट्टे दिलाने की मांग भी इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान से की।

कार्यक्रम में सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने भी केन्द्रीय मंत्री श्री गड़करी के प्रति आभार जताया। साथ ही आगरा-ग्वालियर 6 लेन एक्सप्रेस-वे और वेस्टर्न बाइपास का काम तेजी के साथ आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

आरंभ में अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वागत उदबोधन राज्य सड़क विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता श्री दीपक शर्मा ने किया।

एलीवेटेड रोड़ से महानगर का रूप लेगा ग्वालियर शहर

फ्लाई ओवर के रूप में बनने जा रही फोर लेन एलीवेटेड रोड़ से ग्वालियर शहर महानगर का रूप लेगा। इस एलीवेटेड रोड़ के निर्माण से शहरवासियों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति तो मिलेगी ही, साथ ही यह शहर के चहुँमुखी विकास और लोगों के जीवन स्तर में बदलाव लाने में कारगर साबित होगा। सीआईआरएफ (केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि) से ग्वालियर शहर में स्वर्ण रेखा नदी पर प्रथम चरण में ट्रिपल आईटीएम कॉलेज से महारानी लक्ष्मीबाई समाधि तक लगभग 7 किलोमीटर लम्बाई में लगभग 406 करोड़ रूपए की लागत से फोर लेन एलीवेटेड रोड़ का निर्माण होने जा रहा है। दूसरे चरण में लक्ष्मीबाई समाधि से गिरवाई तक लगभग 11 किलोमीटर लम्बाई में एलीवेटेड रोड़ का निर्माण किया जायेगा।

ग्वालियर शहर के सुनियोजित विकास में अहम कड़ी के रूप में जुड़ेगा आईएसबीटी

स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत लगभग 64 करोड़ 22 लाख रूपए की लागत से हैरीटेज थीम पर आईएसबीटी (अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल) का निर्माण होने जा रहा है। यहाँ गोले का मंदिर मुरैना लिंक रोड़ पर स्थित हजीरा थाने के समीप करीबन 25 एकड़ भूमि पर आईएसबीटी का निर्माण होगा। बस टर्मिनल में 52 प्लेटफॉर्म बनाए जायेंगे। साथ ही टर्मिनल परिसर में 80 बसों की पार्किंग के लिये अलग से व्यवस्था रहेगी। इस प्रकार एक साथ कुल 132 बसें टर्मिनल परिसर में खड़ी हो सकेंगीं। आईएसबीटी परिसर का भवन ग्रीन बिल्डिंग कंसेप्ट के तहत तैयार होगा। साथ ही अत्याधुनिक सार्वजनिक शौचालय, दिव्यांगों के लिये बाधा रहित आवागमन, बस चालकों के लिये विश्राम गृह तथा निजी वाहन, ऑटो, कैब व टैक्सी इत्यादि के लिए पिक एण्ड ड्रॉप लेन बनाई जायेंगीं। बसों के लिये वर्कशॉप क्षेत्र का प्रावधान भी किया गया है।

इन कार्यों का भी हुआ शिलान्यास व लोकार्पण

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान तथा अन्य अतिथियों द्वारा एलीवेटेड रोड़ व आईएसबीटी के शिलान्यास के अलावा जिन कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया गया, उनमें सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत चीनौर-करहिया एवं करहिया-भितरवार सड़कमार्ग एवं डबरा-पिछोर रोड़ से कटारे बाबा की समाधि-बडेरा के बीच सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास शामिल है। साथ ही सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत ग्वालियर शहर में आगरा लूप से शताब्दीपुरम मार्ग पर एक किलोमीटर लम्बाई में लगभग 21 करोड़ रूपए की लागत से बनाए गए रेलवे ओवरब्रिज और लगभग 6 करोड़ 67 लाख रूपए की लागत से बनकर तैयार हुए 100 सीटर शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवन का लोकार्पण किया गया। इसके अलावा अतिथियों ने सीआरआईएफ योजना के अंतर्गत ही कोलारस जिला शिवपुरी के अंतर्गत मेघोनाबाड़ा से अमरौद (मुँगावली जिला अशोकनगर) तक सड़क निर्माण कार्य का भी लोकार्पण किया।

मंच से प्रतीक स्वरूप इन हितग्राहियों को बाँटी सहायता

केन्द्रीय मंत्री श्री नितिन गड़करी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सहित अन्य अतिथियों ने मंच से मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत ऑटो मोबाइल व्यवसाय के लिये श्री शिवम सिंह तोमर को 18 लाख 75 हजार रूपए और श्री जितेन्द्र जैन को पेपर कप निर्माण इकाई स्थापित करने के लिये 32 लाख 28 हजार रूपए की आर्थिक सहायता सौंपी। इसी तरह प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत सुश्री रचना गुप्ता को चिप्स वेफर्स निर्माण इकाई के लिये 23 लाख 75 हजार रूपए की सहायता प्रदान की। लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत नन्ही-मुन्ही बालिका कनिष्का व रिषका व उनकी माँ को लाड़ली लक्ष्मी के प्रमाण-पत्र सौंपे। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत ग्वालियर शहर के वार्ड-65 निवासी श्रीमती रजनी कुशवाह को घर का मालिक बनाया। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत श्री दिनेश साहू को कपड़े का व्यवसाय शुरू करने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की। सुश्री कृष्णा कोगर को अतिथियों ने आयुष्मान कार्ड और धारण अधिकार अधिनियम के तहत श्री राजेन्द्र सिंह कुशवाह को 1500 वर्गफुट का आवासीय पट्टा सौंपा। इसी प्रकार मत्स्य पालन के लिये रतनगढ़ वाली माता मत्स्योद्योग सहकारी समिति रमौआ के अध्यक्ष श्री अर्जुन बाथम को सिंचाई जलाशय का 10 वर्षीय पट्टा दिया गया।

एग्जामिनर ने नकलची छात्रा की हथेली की फोटोकॉपी कराई

ग्वालियर में बी एड के एग्जाम में पकड़ाई, हथेली पर लिखे थे 15 प्रश्नों के उत्तर

ग्वालियर। ग्वालियर की जीवाजी यूनिवर्सिटी में बीएड के एग्जाम में नकल का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां बीएड सेकेंड सेमेस्टर की एक छात्रा हथेली पर 15 प्रश्नों के उत्तर लिखकर परीक्षा देने आई थी। एग्जामिनर ने उसे नकल करते पकड़ लिया। समस्या तब हो गई, जब नकल का केस बनाते समय सामग्री जब्त करने की बात आई। आखिरकार हथेली को जेरॉक्स मशीन पर रखकर उसकी कॉपी इमेज जब्त की गई। घटना बुधवार शाम की है। अब कॉलेज की समिति के सामने केस को रखा जाएगा। जीवाजी यूनिवर्सिटी में बुधवार को बीएड के सेकेंड सेमेस्टर की परीक्षा चल रही थी। परीक्षा भवन में दोपहर 2 से 5 बजे तक की पाली में हिंदी का पेपर चल रहा था। यहां 1200 परीक्षार्थी एग्जाम दे रहे थे। यहां रूम नंबर-8 में तैनात महिला पर्यवेक्षक को छात्रा स्मृति कुमारी पर बार-बार हथेली देखने से शक हुआ। महिला पर्यवेक्षक छात्रा के पास पहुंची तो उसके बाएं हाथ की हथेली में प्रश्नों के उत्तर लिखे मिले। छात्रा ने सलीके से हथेली से उंगलियों तक लिखा था।

छात्रा की हथेली जब्त करना बनी समस्या

महिला पर्यवेक्षक ने स्मृति कुमारी के खिलाफ नकल केस तैयार कराया। नियम के मुताबिक नकल किस माध्यम से की गई है, वह सामग्री जब्त की जाती है। इस केस में नकल की सामग्री हथेली थी, जिसे जब्त करना था। समस्या थी कि हथेली को कैसे जब्त कर सकते थे? समाधान के रूप में हथेली की फोटो कॉपी कराई गई। अब हाथ की फोटो कॉपी करके मूल कॉपी से उसे लगाया गया है। केस बनाने के बाद छात्रा को दूसरी कॉपी दे दी गई।

एक-एक उंगली पर तीन-तीन प्रश्न के उत्तर

जब पर्यवेक्षक ने चेक किया तो हथेली से लेकर उंगली तक करीब 15 से ज्यादा प्रश्नों के उत्तर लिखे थे। एक-एक उंगली पर तीन-तीन उत्तर लिखे थे। शब्द बेहद छोटे थे, लेकिन इतने स्पष्ट थे कि साफ समझ में आ रहे थे। हैरत की बात यही है कि परीक्षा में उसमें से कई प्रश्न पूछे भी गए थे। संभवत- इस तरह की नकल का यह पहला प्रकरण बताया जा रहा है।

कमेटी के सामने रखेंगे केस

यूनिवर्सिटी के परीक्षा केन्द्र प्रभारी नवनीत गरुण ने बताया कि केस बनाकर हथेली की फोटो कॉपी मूल प्रकरण केस में लगाई गई है। मामले में गठित अनुचित साधन के प्रयोग वाली कमेटी जल्द ही सबूतों के आधार पर फैसला सुनाएगी।

सत्येन्द्र शर्मा ने भव्य स्वागत किया

ग्वालियर भारतीय जनता पार्टी के जिला मंत्री सत्येंद्र शर्मा के द्वारा आज सैकड़ों साथियों के साथ केंद्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी के प्रयासों से 1500 करोड़ की लागत से बनने जा रहे एलिवेटेड रोड एवं 60 करोड़ की लागत से बनने जा रहा अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा के भूमि पूजन के अवसर पर केंद्रीय राष्ट्रीय राजमार्ग परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं इस्पात मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर जी का भव्य स्वागत किया गया।

अंधेरे में छाया, बुढ़ापे में काया, अंत समय में साथ नहीं देती माया: मुनिश्री

मुनिश्री विनय सागर महाराज के चरणों मे जैन समाज के लोगो ने अर्घ्य समर्पित करें

ग्वालियर। हमें सदैव सकारात्मक सोच के साथ पुरूषार्थ करते रहना चाहिए जिससे हमारा जीवन सार्थक हो जाये। क्योंकि जीवन पानी की बूंद के समान है। अंधेरे में छाया, बुढ़ापे में काया, अंत समय में साथ नहीं देती माया, यह संसार का सबसे बढ़ा सत्य है। जो सत्य पर जीता है उसे ही पूजा जाता है। संसार में जितने भी महापुरूष हुए है उन्होंने विषम से विषम परिस्थिति में भी सत्य का साथ नहीं छोड़ा। यह बात श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने साधनमय बर्षयोग समिति एवं सहयोगी संस्था पुलक मंच परिवार ग्वालियर व मुख्य संयोजक मनोज जैन, जैन कालेज के संयुक्त तत्वावधान में आज गुरुवार को माधवगंज स्थित चातुर्मास स्थल अशियाना भवन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए कही।

मुनिश्री ने कहा कि मोक्ष मार्ग निर्माण का नहीं निर्वाण का मार्ग है। भवनों से निर्वाण नहीं होता भावनाओं से निर्वाण होता है। भावनाएं भव नाशिनी होती है। धर्म के पालने में हम सभी पल रहे है आत्मा का स्वभाव ही धर्म नहीं सहज सरल भावों के साथ की गई क्रियाएं ही सच्चा धर्म है। जिस तरह अग्नि का स्वभाग उष्ण है, जल का स्वभाव शीतल है उसी प्रकार धर्म का स्वभाव सहज, सरल परिणाम है। उन्होंने आगे कहा कि अहंकार के कारण व्यक्ति सारी अच्छाइयां भूल जाता है और स्वयं की कमी, दोषों और दुर्बलताओं को स्वीकार नहीं करता और उसका व्यक्तित्व अपूर्ण रह जाता है। यह सब अहंकार के कारण होता है। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलमने बताया कि मुनिश्री विनय सागर महाराज के मंगल प्रवचन प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से माधवगंज चातुर्मास स्थल आशियाना भवन में होंगे।

जीवन का लक्ष्य आत्म शांति होना चाहिए

मुनिश्री ने कहा कि जीवन का लक्ष्य आत्म शांति होना चाहिए। आत्म शांति इस रंग-बिरंगी मृग मारीचिका में नहीं मिल सकती। शांति भवनों में नहीं, शांति विषयों में नहीं, शांति तो अपने अन्दर है।

खुद को कुंआरा बताकर विधवा से रेप

ग्वालियर में मांग भरने का नाटक किया, बोला-बेटे को दूंगा पिता का नाम

4 महीने बाद पता चली असलियत

ग्वालियर। ग्वालियर में विधवा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। शादीशुदा युवक ने कुंआरा बताकर महिला से दोस्ती की, फिर मंदिर में मांग भरकर ब्याह रचाने का नाटक किया। चार महीने तक साथ भी रहा। महिला ने सबके सामने शादी करने को कहा, तो मुकर गया। किसी को बताने पर महिला के बच्चे को जान से मारने की धमकी दी। घटना गुढ़ा-गुढ़ी का नाका कंपू की है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया है। आरोपी को पकड़ने की मांग लेकर महिला तीन दिन से एसपी ऑफिस के चक्कर लगा रही है।

कंपू स्थित गुढ़ा-गुढ़ी नाका क्षेत्र की रहने वाली 32 वर्षीय महिला के पति की मौत हो चुकी है। गुरुवार को वह 5 साल के बेटे के साथ एसपी ऑफिस पहुंची। उसने पुलिस को बताया... पति की मौत के बाद बेटे के साथ पिता के घर रह रही थी। 5 महीने पहले उसकी मुलाकात धर्मेंद्र किरार से हुई थी। वह मोहल्ले में आता-जाता रहता था। इस दौरान उनकी दोस्ती हो गई। धर्मेंद्र ने शादी का वादा कर दुष्कर्म किया। विरोध करने पर चार महीने पहले मंदिर लेकर गया और मांग भर दी। उसने कहा- जल्द ही सबके सामने शादी करके अपनाऊंगा। बच्चे को भी पिता का नाम दूंगा। इसके बाद दोनों चार महीने तक साथ रहे। इस दौरान कई बार उसने दुष्कर्म किया। सबके सामने शादी का कहने पर टालमटोल करता रहा। जब दबाव बनाया, तो मुकर गया। उसके साथ मारपीट भी की।

बच्चों को दी जान से मारने की धमकी

महिला ने बताया कि अपने स्तर पर पड़ताल की तो पता चला कि धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा है। वह पत्नी को लेकर बैतूल भाग गया है। पुलिस ने अब तक धर्मेंद्र को नहीं पकड़ा है। वह फोन कर धमकी भी दे रहा है। उसने धमकी दी है कि अगर शिकायत वापस नहीं ली तो, उसे और बच्चे को मार डालेगा। पुलिस अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारी को आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है। एडिशनल एसपी मृगाखी डेका ने बताया कि एक महिला ने शिकायत की है। उसके पति की मौत हो चुकी है। उसने बताया है कि शादी का झांसा देकर उसके साथ 4 महीने तक शादीशुदा युवक ने दुष्कर्म किया।

संक्षिप्त समाचार

संघवारी में महिलाओं को स्वास्थ्य एवं सफाई पर जागरूक किया

-ग्रासिम इंडस्ट्रीज विक्रम वूलन मालनपुर का रहा सहयोग

ग्वालियर। फैमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा द्वारा आज ग्रासिम इंडस्ट्रीज मालनपुर के सहयोग से ग्राम सिंघवारी में महिलाओं को जागरुक करने हेतु स्वास्थ्य एवं सफाई पर संगोष्ठी का आयोजन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्रासिम इंडस्ट्रीज विक्रम वूलन मालनपुर की ओर से पंकज कुमार श्रीवास्तव ने उन्होंने अपने उद्बोधन में सभी को सामान्य बीमारियों से बचने एवं मौसमी बीमारियों से बचाव पर जानकारी दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था को शाखा प्रबंधक श्रीमती नीलम दीक्षित ने की ।उन्होंने सभी को सुरक्षित गर्भपात विषय प्रजनन एवं यौन स्वास्थ्य पर जानकारी प्रदान की।

साफ सफाई रखने के फायदे पर चर्चा

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संस्था के कार्यक्रम अधिकारी अच्छेंद्र सिंह कुशवाह द्वारा उपस्थित सभी लोगो को साफ सफाई एवं स्वच्छता विषय पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी साथ ही उन्होंने सभी जगह साफ सफाई रखने के फायदे पर भी चर्चा की। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संस्था के चिकित्सक अधिकारी डॉ पीयूष गौड़ द्वारा सभी को सामान्य बीमारियों एवं संस्था की अन्य गतिविधियों पर जानकारी दी गई।कार्यक्रम के अंत में 40 महिलाओं को जागरूक किया गया कार्यक्रम के अंत में क्षेत्रीय कार्यकर्त्ता श्रीमती कविता रजक द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

315 मरीजों का निःशुल्क परीक्षण

ग्वालियर। सिम्स मल्टीस्पेशिलिटी हॉस्पिटल कैंसर हिल्स ग्वालियर एवं इनरव्हील क्लब ऑफ़ ग्वालियर के सयुंक्त तत्वाधान में आयुष्मान योजना के अंतर्गत आज गुरुवार को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक पंचायत कार्यालय,ग्राम पंचायत जिगसोली, अटल द्वार के अंदर पुरानी छावनी ग्वालियर में आयोजित किया गया द्य शिविर में सिम्स हॉस्पिटल ग्वालियर के पथरी एवं पेट रोग विशेषज्ञ डॉ व्ही.के.गुप्ता, डॉ पूजा गुप्ता एवं नेत्र रोग सहायक युवराज सिंह के द्वारा लगभग 3 सैकड़ा मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया गया और ब्लडप्रेशर,ब्लडशुगर की जांचे निःशुल्क की गई।

जीवाजी विश्वविद्यालय

रसायन विज्ञान अध्ययनशाला के छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

ग्वालियर। जीवाजी विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान अध्यनशाला की प्रो.रितु मेंदिरत्ता के साथ 11 छात्र छात्राओं ने गुरूवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के सीआईएफ विभाग में भ्रमण किया ।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णौपुरम्, एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रित करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनूमान मंदिर के पास, भिण्ड रोड, गोले का मंदिर जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश 474005 से प्रकाशित। संपादक- भरत सिंह चौहान पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, M.: 8269307478